▪ मार्गशीर्ष कृष्णा - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 119 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 24-11-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन् पारत् राष्ट्रमत् | तिनचरि ह़िन्दि नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

www.sprindia.com
Call 73582 00333
50 ft
स्वागत है
आपका,
सबसे स्लीक
और मजबूत
45 मंजिला
ऊंची इमारत में
Launching
SKY
TOWER ONE
Breathtaking views
30,000 Sq.Ft.
Podium level amenities
18,000 Sq.Ft.
Clubhouse amenities
Vaastu-compliant homes
Built with RCC walls
to avoid cracks and leakages
Sleek homes with
natural ventilation
Balconies designed
to reduce heat radiation
High-street Retail
a lift away
Zero wastage
floor layout
स्काई टावर का साइड दृश्य
टाउनशिप की मुख्य विशेषताएं
CBSE स्कूल
खेल अकादमी
रिटेल मॉल
थोक बाज़ार
अस्पताल
वाहन मुक्त क्षेत्र
SKY TOWER
SPR INDIA
BUILDING WITH PURPOSE
2 & 3 (BHK)
₹85* लाख से शुरू
प्रोजेक्ट
वॉकथ्रू के
लिए स्कैन करें
CREDAI
www.rera.tn.gov.in
RERA: TN/29/Building/0396/2024
Images are artist's impressions | *T & C Apply.
A SPR-BINNY PROJECT.

मार्गशीर्ष कृष्णा - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 119 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 24-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आईपीएल नीलामी में पंत रच सकते हैं इतिहास, अर्शदीप भी पीछे नहीं

6 ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावतः खुफिया नेटवर्क से उग्रवादियों का लगाया पता, 'घर में घुसकर' ढेर किया

7 फिल्म निर्माण प्रक्रिया को रहस्य से मुक्त करना आवश्यक : प्रसून जोशी

महाराष्ट्र में महायुति प्रचंड बहुमत के साथ वापस, झारखंड में झामुमो की सत्ता बरकरार

महाराष्ट्र विधानसभा परिणाम

भाजपा+	एमवीए+	अन्य
229	47	12

कुल सीटें : 288 बहुमत : 145

झारखंड विधानसभा परिणाम

एनडीए	इंडिया	अन्य
24	56	1

कुल सीटें : 81 बहुमत : 41

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। महाराष्ट्र और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधनों ने विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ फिर से सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त कर लिया है।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति ने अभूतपूर्व जीत दर्ज कर सत्ता बरकरार रखने जा रही है, वहीं झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया समूह शानदार प्रदर्शन करते हुए दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा के साथ-साथ 15 राज्यों में 48 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर भी चुनाव कराये गये थे।

महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकापा) के सत्तारूढ़ गठबंधन इस साल लोक सभा चुनाव में महाराष्ट्र में मिले आघात से उबर कर अप्रत्याशित रूप से प्रचंड जीत हासिल की है। राज्य की 288 सीटों वाली विधानसभा के चुनाव की शनिवार को चल रही मतगणना के रुझानों के अनुसार, भाजपा-शिवसेना-रांकापा के महायुति गठबंधन को 234 सीटों पर विजय हुआ है।

राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन को 49 सीटों पर विजयी हासिल हुई है। भाजपा को 132 सीटों पर जीत मिली है, जबकि शिव सेना 56, रांकापा को 41 सीटें मिली हैं। महायुति में शामिल जन सुराज्य शक्ति (जेएसएस) दो सीटों पर विजयी हुयी है। गठबंधन के घटक राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी (आरवाईएसपी) और राष्ट्रीय समाज राजर्षि शाहू विकास अघाडी एक-एक सीट पर जीत हासिल की है।

विपक्षी गठबंधन महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक कांग्रेस पार्टी को 16, रांकपा (शरद पवार) को 10 और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 21 सीटों पर जीत मिली है।

समाजवादी पार्टी को दो सीटें, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया और राष्ट्रीय समाज पक्ष को एक-एक सीट मिली है। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तिहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को एक सीट मिली है जबकि दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार को विजय हुये हैं।

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा की चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया समूह को कुल 56 सीटों पर जीत दर्ज हुई है। जबकि सत्ता हासिल करने की होड में लगे भाजपा के नेतृत्व में राजग केवल 24 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। झामुमो के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि हम लोकतंत्र के चुनाव में पास हो गये हैं।

झामुमो ने 34 सीटों पर विजय हासिल की है। जबकि भाजपा ने 21 सीटें जीती हैं। कांग्रेस पार्टी ने तीसरे स्थान पर रहते हुए 16 सीट हासिल की है। राष्ट्रीय जनता दल ने चार सीटों पर जीत हासिल की है। भाकपा (माले) ने दो सीटों पर विजय हासिल की है। आजसू, लोजपा, झालोकमो और जनता दल यूनाइटेड ने एक-एक सीट पर जीत हासिल की है।

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर फैसला महायुति नेता करेंगे : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों के रुझानों में सत्तारूढ़ महायुति को आसान बहुमत मिलने के संकेत मिलने के बाद कहा कि राज्य के अगले मुख्यमंत्री के बारे में फैसला करने के लिए सभी तीन घटक दलों के नेता एक साथ बैठेंगे।

उपचुनावों में उप्र, बिहार, राजस्थान में भाजपा को बढ़त, कर्नाटक में कांग्रेस का दबदबा

कर्नाटक में कांग्रेस ने उपचुनाव में सभी तीन सीट पर जीत दर्ज की है। उसने इस चुनाव में भाजपा और उसकी सहयोगी जनता दल (एस) से एक-एक सीट छीनी है।

नई दिल्ली/भाषा। देश के 13 राज्यों की 46 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के शनिवार को घोषित नतीजों के मुताबिक अधिकांश सीट पर सत्तारूढ़ दलों का दबदबा रहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और उसके सहयोगियों ने उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में दबदबा कायम किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में सूपड़ा साफ किया।

दो लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनावों में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत हासिल की। लेकिन पार्टी महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट भाजपा से हार गई।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में लचर प्रदर्शन के बाद सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। गठबंधन के उम्मीदवारों ने नौ में से सात सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा ने चार सीट गाजियाबाद, खैर, मझवां और फूलपुर बरकरार रखी जबकि कटेहरी और कुंदरकी को सपा से छीन ली। वहीं उसकी सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (रालोद)ने एक सीट बरकरार रखी। समाजवादी पार्टी के पास पूर्व में नौ में से चार सीट थी जिनमें से उसने दो सीट सीसामऊ और करहल को बरकरार रखा है।

राजस्थान में सत्तारूढ़ भाजपा ने सात में से पांच सीट पर जीत दर्ज की। इस प्रकार उसने पूर्व की स्थिति के मुकाबले तीन सीट कांग्रेस से और एक आरएलपी से छीनी है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) और कांग्रेस ने एक-एक सीट बरकरार रखी।

केरल में उसने पलक्कड़ विधानसभा सीट बरकरार रखी, जबकि सत्तारूढ़ एलडीएफ ने चेलाक्कारा विधानसभा सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा।

पंजाब की चार सीटों के लिए आए उपचुनाव परिणाम में, जहां कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप सिंह ढिल्लों ने बरनाला विधानसभा क्षेत्र में जीत हासिल की है, जबकि आप उम्मीदवारों ने चब्बेवाल, डेरा बाबा नानक और गिद्दड़बाहा की तीन सीटों पर जीत हासिल की है।

बिहार में सत्तारूढ़ राजग ने सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में जीत दर्ज की है। राजग ने इमामगंज (हम) पर कब्जा बरकरार रखा है तथा तरारी (भाजपा), रामगढ़ (भाजपा) और बेलागंज (जद-यू) को 'इंडि' गठबंधन से छीन लिया है। इससे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले उसे मजबूती मिली है।

पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर लंबे समय से जारी विरोध प्रदर्शन के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की मजबूत पकड़ दिखाई दी। पार्टी ने सभी छह सीट पर जीत दर्ज की है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है मदारीहाट सीट जो उसने भाजपा से छीन ली।

मेघालय में सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को भी मजबूती मिली है, क्योंकि पार्टी उम्मीदवार और मुख्यमंत्री मेहताब चांडी की पत्नी अगितोक संगमा ने गाम्बेग्रे उपचुनाव जीत लिया।

असम में भाजपा ने अपने सहयोगी दलों असम गण परिषद (अगप) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के साथ मिलकर राज्य की सभी पांच विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। अगप और यूपीपीएल ने क्रमशः बोंगाईगांव और सिदली (एसटी) सीट बरकरार रखीं। भाजपा ने बेहाली और धोलाई (एससी) सीट बरकरार रखीं और कांग्रेस से सामागुरी सीट छीन ली।

गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा ने उपचुनाव में वाव विधानसभा सीट कांग्रेस से छीन ली तथा छत्तीसगढ़ में रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा सीट और उत्तराखंड में केदारनाथ विधानसभा सीट पर भी कब्जा बरकरार रखा।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस्तीफे के बाद खाली हुई बुधनी सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। लेकिन उसे झटका तब लगा जब राज्य के मंत्री रामनिवास रावत विजयपुर विधानसभा सीट हार गए और कांग्रेस ने यहां जीत दर्ज की।

सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के उम्मीदवार आदित्य गोले और सतीश चंद्र राय शनिवार को सोरेंग-चाकुंग और नामची-सिंघीथांग विधानसभा क्षेत्रों के लिए हुए उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए।

फर्स्ट टेक

महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित, विश्लेषण करेंगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे अप्रत्याशित हैं जिनका विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, झारखंड के लोगों का इंडिया गठबंधन को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, कांग्रेस और झामुमो के सभी कार्यकर्ताओं को इस विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। प्रदेश में गठबंधन की यह जीत संविधान के साथ जल-जंगल-ज़मीन की रक्षा की जीत है। राहुल गांधी ने कहा, ''महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं और इनका विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के सभी मतदाता भाई-बहनों को उनके समर्थन और सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत के लिए धन्यवाद।

सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए 'हज सुविधा ऐप 2' जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को 'हज सुविधा ऐप 2' जारी किया। ऐप के इस नए संस्करण में हवाई यात्रा विवरण, गंतव्य स्थल के मानचित्रों के साथ दिशा सूचक प्रणाली समेत अन्य खासियतें जोड़ी गई हैं। इसमें हज पर जाने वाले भारतीय श्रद्धालुओं के चिकित्सकीय विवरण और स्वास्थ्य सलाह जैसी प्रमुख विशेषताएं भी शामिल की गई हैं। ऐप को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने जारी किया। उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और भारतीय हज समिति के अध्यक्ष अब्दुल्लाकुट्टी सहित अन्य की उपस्थिति में राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हज समितियों के अध्यक्षों के सम्मेलन का उद्घाटन करते वक्त इस ऐप को जारी किया।

बेरूत में इजराइल के हवाई हमलों में 15 लोगों की मौत, कई घायल

बेरूत/एपी। इजराइल ने बेरूत के मध्य क्षेत्र में शनिवार को कई मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। लेबनान के नागरिक स्वयंसेवी संगठन ने बताया कि हमले में मारे गए लोगों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि आपातकालीन बचावकर्मी अभी भी मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं। इजराइल ने लेबनान की राजधानी को एक सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार निशाना बनाया है।

24-11-2024 सूर्यास्त	25-11-2024 सूर्योदय
5:39 बजे	6:12 बजे

BSE	NSE
79,117.11	23,907.25
(+1,961.32)	(+557.35)

सोना	चांदी
8,200 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मतदण्ड

जो जीता वही सिकंदर है,
हारे तो समझो मिला दण्ड।
ना हो सकता है लोकतंत्र में,
राज किसी का भी अखण्ड।
कर देते ठनठनपाल कभी,
या देते जन बहुमत प्रचण्ड।
मतदण्डों के आगे पीते ,
अच्छे-अच्छे भी यहां ठण्ड।।

विकास के संदेश की हुई जीत, झूठ की राजनीति पराजित : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हालिया चुनावों में विकास के संदेश की जीत हुई है जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा फैलाया गया झूठ और विश्वासघात की राजनीति को हार का सामना करना पड़ा है।

यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव और विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों में विभाजनकारी ताकतों, नकारात्मक राजनीति और वंशवाद की हार हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने स्थिरता के लिए मतदान किया है और अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वालों को सबक सिखाया है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र चुनाव से एकता का संदेश मिला है और एक हैं तो सुरक्षित हैं के नारे को समर्थन हासिल हुआ है।

मोदी ने यह भी कहा कि वह झारखंड के लोगों के सामने नतमस्तक हैं और भाजपा राज्य के विकास के लिए और अधिक उत्साह से काम करेगी। उन्होंने कहा, एक हैं तो सुरक्षित हैं का नारा पूरे देश के लिए 'महामंत्र' बन गया है और इसने उन लोगों को दंडित किया है जो देश को जाति और धर्म के आधार पर बांटना चाहते थे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों ने भाजपा को वोट दिया है।

खुली अर्थव्यवस्था के नाम पर हमने दूसरों को अनुचित फायदा पहुंचाया : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि खुली अर्थव्यवस्था के नाम पर हमने दूसरे देशों को भारत में लाभ हासिल करने का अवसर दिया और इसे रोकना होगा। जयशंकर बेंगलूरु में आठवें इंडिया आइडिया कॉन्क्लेव में डिजिटल माध्यम से मुख्य भाषण दे रहे थे।

इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का इस साल का विषय 'ब्रांड भारत का निर्माण' है।

उन्होंने कहा, वैश्वीकरण के नाम पर हमने वास्तव में विनिर्माण क्षेत्र को खोखला कर दिया है। एसएमई पिछले 30 वर्षों से नुकसान उठा रहे हैं क्योंकि वे अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं, देश में सब्सिडी वाले सामान का आयात होता है। अगर हम एमसएमई की रक्षा नहीं कर सकेंगे, तो वे प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा, सेमी कंडक्टर उद्योग को देखें। हम समझते हैं कि आज सेमी कंडक्टर भारत जैसे देश के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत चीजों को अलग तरीके से कर रहा है और वह तरीका है आवश्यक कठोर निर्णय लेना।

जयशंकर ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को लेकर विवेकपूर्ण रवैया दिखाया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि एफडीआई को लेकर हर वार्ता में हम बहुत लंबे समय तक, बहुत गहनता से विचार-विमर्श करते हैं। हम एफडीआई के सामाजिक ताने-बाने और रोजगार से जुड़े पहलुओं के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा निहितार्थों के बारे में भी बहुत चिंतित रहते हैं।

टीटीडी ने भगवान राम की प्राचीन मूर्ति की टूटी उंगली फिर से जोड़ा

तिरुपति/भाषा। आंध्र प्रदेश में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भगवान राम की एक प्राचीन मूर्ति की टूटी हुई उंगली को जोड़ दिया है। टीटीडी के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

टीटीडी के मुताबिक, माना जाता है कि यह मूर्ति करीब एक हजार वर्ष पुरानी है।

मंदिर प्रशासन ने कहा कि 2021 में भगवान राम के एक मेले के दौरान मूर्ति के बाएं हाथ की एक अंगुली मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गयी थी, जिसके बाद मंदिर के अधिकारियों ने इसे अस्थायी रूप से एक सुनहरे कवच से ढक दिया था।

टीटीडी के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह मूर्ति एक पहाड़ी के ऊपर मिली थी और माना जाता है कि यह करीब एक हजार साल पुरानी है।

तिरुमला में क्षतिग्रस्त मूर्तियों की मरम्मत 12 वर्षों में एक बार करने की परंपरा है और ऐसा अगला अवसर पांच वर्ष बाद 2030 में आएगा।

टीटीडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, '' चूंकि, अभी पांच साल से अधिक का समय बाकी है, इसलिए जियर स्वामियों, आगम सलाहकारों और पुजारियों की एक समिति ने हाल ही में तिरुमला में वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दौरान इसे उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाया था।

बारामूला में आतंकवादी ठिकाना ध्वस्त, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने शनिवार को आतंकवादियों के एक ठिकाने को ध्वस्त कर हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एक मामले की जांच के दौरान प्राप्त विश्वसनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने बारामूला जिले के कुंजर इलाके के मालवा गांव से सटे जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और मौके से हथियार तथा गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

अमेरिकी एसईसी ने रिश्वत मामले में गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर को तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

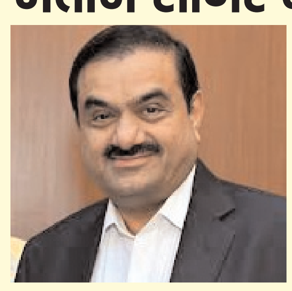

न्यूयॉर्क/भाषा। अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर को अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने उन पर लगे आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए तलब किया है।

अदाणी और उनके भतीजे पर अनुकूल सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने में शामिल होने का आरोप है।

अदाणी के अहमदाबाद स्थित शांतिवन फार्म हाउस और उनके भतीजे सागर के इसी शहर में बोदकदेव आवास पर समन भेजकर 21 दिनों के भीतर एसईसी को जवाब देने के लिए कहा गया है।

न्यूयॉर्क पूर्वी जिला अदालत के माध्यम से 21 नवंबर को भेजे गए नोटिस में कहा गया है, ''इस समन की तामील के 21 दिनों के भीतर (जिस दिन आपको यह समन मिला, उसे छोड़कर)... आपको वादी (एसईसी) को संलग्न शिकायत का जवाब देना होगा या संघीय सिविल प्रक्रिया के नियम 12 के तहत एक प्रस्ताव तामील करना होगा।'' इसमें कहा गया है, ''यदि आप जवाब देने में विफल रहते हैं, तो शिकायत में मांगी गई राहत के लिए आपके खिलाफ निर्णय लिया जाएगा। आपको अपना जवाब या प्रस्ताव भी अदालत में दाखिल करना होगा।''

गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य प्रतिवादी, जो समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निदेशक हैं, पर बुधवार को न्यूयॉर्क की एक अदालत में मुकदमा शुरू हुआ।

राजस्थान उपचुनाव : भाजपा ने 7 में से 5 सीटें जीती, कांग्रेस की एक सीट पर जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में हुए सात उपचुनावों के परिणाम स्पष्ट संकेत देते हैं कि राज्य की सियासत में भाजपा ने मजबूत स्थिति बना ली है। इन चुनावों में भाजपा ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को सिर्फ दौसा सीट पर संतोष करना पड़ा। इसके अलावा, चौरासी सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी ने जीत हासिल कर यह साबित कर दिया है कि क्षेत्रीय दल भी राजनीतिक परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने में सक्षम हैं।

भाजपा के लिए यह जीत न केवल राज्य में उनके संगठनात्मक ढांचे की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस को चुनौती देने का मंच भी तैयार करती है। झुंझुनूं, खींवसर, देवली-उनियारा, सलूंबर और रामगढ़ सीटों पर भाजपा की जीत पार्टी की रणनीतिक सफलता का प्रमाण है।

खींवसर में भाजपा ने हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को हराकर एक प्रतीकात्मक जीत हासिल की है। यह न केवल बेनीवाल परिवार की राजनीति को चुनौती देने वाला कदम है, बल्कि क्षेत्रीय क्षत्रपों को भाजपा के खिलाफ सावधान रहने की चेतावनी भी है। वहीं, सलूंबर में आखिरी राउंड में बाजी पलटकर शांता मीना की जीत ने भाजपा के ग्रासरूट मैनेजमेंट की सफलता को रेखांकित किया है। कांग्रेस के लिए दौसा सीट पर दीनदयाल बैरवा की जीत एकमात्र राहत है। हालांकि, इस जीत पर भी भाजपा ने रीकाउंटिंग की मांग कर विवाद खड़ा कर दिया है। दौसा सीट पर भाजपा ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को उम्मीदवार बनाकर व्यक्तिगत प्रभाव को भुनाने की कोशिश की थी, लेकिन यह रणनीति सफल नहीं हो पाई।

कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव परिणाम स्पष्ट रूप से राज्य में पार्टी की गिरती साख का संकेत है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच खींचतान का असर संगठन पर साफ दिखाई देता है। भाजपा ने जहां एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा, वहीं कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद पार्टी को कमजोर कर रहे हैं।

भारतीय आदिवासी पार्टी (इ-झ) की चौरासी सीट पर जीत एक नया सियासी संदेश देती है। यह आदिवासी इलाकों में कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए चुनौती है। यह जीत दिखाती है कि पारंपरिक पार्टियों के प्रति असंतोष को छोटे दल अपने पक्ष में बदलने में सक्षम हैं।

इन परिणामों ने भाजपा को राज्य में ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। कांग्रेस को यदि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करनी है, तो उसे तुरंत अपने संगठन को दुरुस्त करना होगा। भाजपा की यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व की रणनीतियों के प्रति जनता के विश्वास का भी संकेत है। राजस्थान की सियासत में यह उपचुनाव परिणाम एक नए अध्याय की शुरुआत करता है। जहां भाजपा ने अपना वर्चस्व दिखाया है, वहीं कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के लिए यह आत्मविश्लेषण का वक्त है।

राजस्थान उपचुनाव में भजनलाल का चला जादू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सात विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का जादू चला जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सर्वाधिक पांच सीटों पर अपनी जीत हासिल करने में सफलता पाई हैं और भजनलाल प्रदेश में राजनीति के नये जादूगर साबित हुए।

गत तेरह नवंबर को हुए इस उपचुनाव की मतगणना में शनिवार को जो परिणाम सामने आया वह शर्मा और भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ वहीं शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के करीब दस महीने में इन सात स्थानों पर विधानसभा उपचुनाव की घोषणा होने के बाद पार्टी का टिकट नहीं मिलने पर जिस प्रकार उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवार भी सामने आ गये थे लेकिन मुख्यमंत्री ने अपने कुशल राजनीति का परिचय देते हुए न केवल उन्हें मनाया बल्कि पूरी एकजुटता के साथ उपचुनाव लड़कर वह राजनीति के नये जादूगर के रूप में उभरे हैं और भाजपा के पक्ष में आये इन परिणामों ने भजनलाल को राजनीति का नया जादूगर साबित कर दिया है। वह राजस्थान के एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के रूप में भी सामने आये हैं जहां की जनता ने विपक्ष के सभी मुद्दों को दरकिनार करते हुए संवदेनशील मुख्यमंत्री को चुना हैं।

शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया जिसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। इस कारण शर्मा राजस्थान ही नहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी छाये रहे।

शर्मा पिछले राजस्थान विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक चुने जाने के बाद पहली बार में ही मुख्यमंत्री बनने के पश्चात कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनता से खूब वाहीवाही बटोरी और इसके बाद सामने आये उपचुनाव में भाजपा के कई उम्मीदवारों के खिलाफ उठे बगावती सुर थामने में कामयाब रहे। साथ ही अन्य कई दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करके बदलते राजनीतिक परिवेश में जिस प्रकार का माहौल बना, उससे वह अपने को अनुभवी एवं राजनीति के खिलाड़ी की तरह साबित करने में भी कामयाब रहे। उपचुनाव में अहम बात यह भी है कि इसके चुनाव प्रचार में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या उससे बड़े किसी पार्टी नेता ने बढ़चढ़कर हिस्सा नहीं लिया और पूरा जिम्मा मुख्यमंत्री के पास रहा और उन्होंने हर विधानसभा क्षेत्र में दो-दो बार चुनाव सभाएं की।

शर्मा ने ईआरसीपी और यमुना जल समझौता सहित ऐसे कई ऐतिहासिक फैसले लेकर सबको चौकायां वहीं अपनी राज्य सरकार के पहले वर्ष में राजधानी जयपुर में राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन कराये जाने का निर्णय लिया और इसके तहत अब तक करीब 25 लाख करोड़ रुपए के एमओयू भी हो चुके हैं। इस तरह शर्मा सबका ध्यान अपनी ओर खींचने में कामयाब रहे हैं।

इस उपचुनाव के बाद तो सब जगह भजनलाल ही भजनलाल हो रहा है और उपचुनाव के परिणाम आते ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तो भाजपा की जीत का सारा श्रेय भजनलाल को दिया हैं। इसी तरह पार्टी के अन्य नेता भी मुख्यमंत्री को ही श्रेय दे रहे हैं और उनकी कुशल राजनीति की प्रशंसा कर रहे हैं कि उनके नेतृत्व में भाजपा में एकजुट एवं मजबूत हुई हैं। इस जीत से राठौड़ का भी कद बढ़ा हैं। उपचुनाव में यह भी साबित हो गया कि एक साल की नई भाजपा सरकार के खिलाफ कोई लहर पैदा नहीं हुई और लोगों ने इसे स्वीकारा हैं।

राजनीति के जादूगर कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बार उपचुनाव में सक्रिय रुप से नजर नहीं आये और इस बार न ही उनका जादू देखने को मिला बल्कि उनियारा-देवली से टिकट की मांग करने वाले नरेश मीणा को भी नहीं मना पाये और उसका परिणाम उपचुनाव में देखने को भी मिला। इस तरह खींवसर में भाजपा कभी चुनाव नहीं जीत पाई थी वहां सांसद हनुमान बेनीवाल के राजनीतिक गढ़ को ढहा दिया और भाजपा की जीत का परचम लहरा दिया। इससे खींवसर में बेनीवाल की राजनीतक प्रतिष्ठा धूमिल हो गई। इसी तरह कांग्रेस दबदबे वाली रामगढ़ विधानसभा सीट भी भाजपा ने जीतकर सबकों चौका दिया और रामगढ़ में भी पूर्व विधायक जुबैर खान के परिवार की राजनीतिक प्रतिष्ठा समाप्त हो गई।

पिछले लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में बनाये गये नये प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की भी इसके लिए पीठ थपथपाई जा रही है। इसके साथ भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ की भी खूब वाहीवाही होने लगी है कि उनके प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में पार्टी नेता और कार्यकर्ता एकजुट नजर आये। इस उपचुनाव में भाजपा ने झुंझुनूं, खींवसर, रामगढ़, देवली-उनियारा एवं सलूंबर सीट पर जीत हासिल कर जहां सलूंबर में अपना दबदबा कायम रखा वहीं इनमें चार स्थानों पर अपना दबदबा कायम किया हैं।

भाई जगमोहन की हार पर बोले किरोड़ी : भितरघातियों ने मेघनाथ बनकर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा । दौसा विधानसभा उपचुनाव में भाई जगमोहन मीणा की हार पार किरोड़ी लाल मीणा ने कहा 45 साल हो गए। राजनीति के सफर के दौरान सभी वर्गों के लिए संघर्ष किया। जनहित में सैंकड़ों आंदोलन किए। साहस से लड़ा। बदले में पुलिस के हाथों अनगिनत चोटें खाईं। आज भी बदरा घिरते हैं तो समूचा बदन कराह उठता है। मीसा से लेकर जनता की खातिर दर्जनों बार जेल की सलाखों के पीछे रहा। किरोड़ी ने कहा संघर्ष की इसी मजबूत नींव और सशक्त धरातल के बूते दौसा का उपचुनाव लड़ा। जनता के आगे संघर्ष की दास्तां रखी। घर घर जाकर वोटों की भीख भी मांगी। फिर भी कुछ लोगों का दिल नहीं पसीजा। भितरघाती मेरे सीने में वाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा सारी बातों को दफन कर देता लेकिन उन्होंने मेघनाथ बनकर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला। साढ़े चार दशक के संघर्ष से न तो हताश हूं और न ही निराश। पराजय ने मुझे सबक अवश्य सिखाया है लेकिन विचलित नहीं हूं।आगे भी संघर्ष के इसी पथ पर बढते रहने के लिए कृतसंकल्प हूं। गरीब, मजदूर, किसान और हरेक दुखिया की सेवा के व्रत को कभी नहीं छोड सकता परन्तु हृदय में एक पीड़ा अवश्य है।

यह बहुत गहरी भी है और पल-प्रति-पल सताने वाली भी। जिस भाई ने परछाईं बनकर जीवन भर मेरा साथ दिया, मेरी हर पीड़ा का शमन किया, उऋण होने का मौका आया तो कुछ जयचंदों के कारण मैं उसके ऋण को चुका नहीं पाया। मुझमें बस एक ही कमी है कि मैं चाटुकारिता नहीं करता और इसी प्रवृत्ति के चलते मैंने राजनीतिक जीवन में बहुत नुकसान उठाया है। स्वाभिमानी हूं। जनता की खातिर जान की बाजी लगा सकता हूं। गैरों में कहां दम था, मुझे तो सदा ही अपनों ने ही मारा है। दौसा में विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा ने 2100 मतों से जीत दर्ज कर ली है।

उपचुनाव में भाजपा ने जीती अधिक सीटें, फिर भी हारी सरकार : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा ने उपचुनाव परिणामों पर कहा कि हम जनता के आदेश को स्वीकार करते हैं। झुंझुनूं और देवली उनियारा जैसी सीटों पर हार के कारणों पर हमें मंथन करने की जरूरत है। जल्दी ही सभी नेताओं के साथ बैठक कर हार के कारणों पर मंथन करेंगे। पीसीसी में डोटासरा ने कहा कि यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जनता जिसको चुनती है। वह आगे बढ़ता है। पिछले 12 महीने पहले यह चुनाव हुआ।

चलते चुनाव में बीजेपी ने उसे वक्त मंत्री बनाया, लेकिन जनता ने उसको घर बिठाया। रिजल्ट में सरकार हार गई। दौसा में किरोड़ी लाल मीणा के साथ का सवाल था, इस्तीफा उन्होंने दे रखा था। पूरे चुनाव में सिर्फ उन्होंने दौसा में चुनाव देखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वहां पर रोड शो तक किया, लेकिन बीजेपी हार गई। डोटासरा ने कहा कि एक साल पहले हमने नागौर में इंडिया गठबंधन के बैनर तले हनुमान बेनीवाल को कैंडिडेट बनाया, लेकिन इस चुनाव में वह अलग हो गए। इसका नुकसान उन्हें हुआ। साथ में हमें भी हुआ। किरोड़ी मीणा पर तंज कसते हुए कहा कि दौसा में अब यह रिकाउंटिंग की बात कर रहे हैं, लेकिन रिजल्ट आ चुका है। झुंझुनू और देवली उनियारा में जो हार हुई है, उस पर हम मंथन करेंगे। हमने सांसदों के कहने पर ही टिकटों की पैरवी की थी, अब आए परिणामों पर सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर मंथन करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष होने के नाते परिणामों की पूरी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। इस चुनाव में हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर पार्टी के पक्ष में मेहनत की और सभी की मेहनत को साधुवाद देता हूं।

किसान एवं महिला कल्याण हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के जरिये युवा, महिला, किसान, मजदूर सहित विभिन्न वर्गों को विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं योजनाओं का शुभारम्भ कर विशेष सौगातें दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए।

शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की गतिविधियों की निरंतर समीक्षा करें, जिससे यह आयोजन सफल बन सके।

मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के युवाओं को 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रोजगार उत्सव के जरिये नियुक्ति एवं भर्तियों की सौगात दी जाएगी, इसके लिए संबंधित विभाग पूर्व में ही सभी तैयारियां सुनिश्चित कर लें। उन्होंने 'रन फॉर विकसित राजस्थान' के आयोजन में युवाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषक एवं पशुपालकों को दी जाने वाली विभिन्न सौगातों की समीक्षा की। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इस आयोजन में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें।

शर्मा ने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाली विकास प्रदर्शनियों में राज्य सरकार की उपलब्धियों, जन कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी आकर्षक तरीके से प्रदर्शित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इनकी जानकारी प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान होने वाले विभिन्न लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में जेईई परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहे 18 वर्षीय एक छात्र ने अपने छात्रावास की छठी मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि छात्र के कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और फिलहाल आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के अन्नूपुर निवासी विवेक कुमार कोटा के एक कोचिंग संस्थान में अप्रैल से जेईई परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसने बताया कि वह जवाहर नगर इलाके के राजीव गांधी नगर में एक छात्रावास के कमरे में रहता था। पुलिस उपाधीक्षक योगेश शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छात्र ने कथित तौर पर आधी रात के आसपास छात्रावास की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। शर्मा ने बताया कि विवेक को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि साक्ष्य जुटाने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है। शर्मा ने बताया कि माता-पिता के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा तथा उनके बयानों के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। कोटा के कोचिंग संस्थानों में इस साल जनवरी से अब तक 16 छात्रों ने आत्महत्या की है जबकि पिछले वर्ष 26 मामले सामने आए थे।

वृद्ध दंपति को बंधक बनाकर लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक किलो सोना और नकदी लेकर भागे थे चोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालौर। जालौर की सायला पुलिस ने घर के बाहर सो रहे वृद्ध दंपति को बंधक बनाकर लूट की वारदात करने वाले दो छात्र आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 12 नवंबर की रात घर में घुसकर वृद्ध दंपति को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस उक्त वारदात सहित अन्य वारदातों के संबंध में भी आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने 12-13 नवंबर की मध्य रात्रि में खेत पर घर के बाहर सो रहे दंपति को बंधक बनाकर 1.187 किलो सोना और एक लाख रुपये नकदी चोरी कर लूट की वारदात की थी। एसपी ज्ञानचंद यादव ने बताया कि 13 नवंबर को सायला थाना क्षेत्र के देता कला गांव के निवासी भालराम राजपुरोहित ने रिपोर्ट दी थी, जिसमें घटना की जानकारी देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

युवती का अपहरण करने के मामले में माता-पिता सहित नौ लोग गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में अंतरजातीय प्रेम विवाह करने वाली युवती के अपहरण के मामले में पुलिस ने युवती के माता-पिता सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है और युवती को सुरक्षित छुड़ा लिया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवती मंजू शुक्रवार को अपने पति कुलदीप और उसके परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ऑटो रिक्शा में मंदिर जा रही थी तभी उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदार एक वाहन में आए और ऑटो रिक्शा को बीच सड़क पर रुकवाकर उसे खींचकर बाहर निकाल लिया। पुलिस ने बताया कि वे मंजू को जबरन वाहन में अपने साथ ले गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

हाथी ने महावत व उसके रिश्तेदार को कुचला, स्टालिन ने की मदद की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

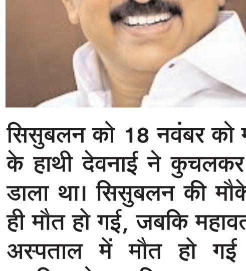

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को एक महावत और उसके रिश्तेदार के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। महावत व उसके रिश्तेदार को कुछ दिन पहले तिरुचेंदूर भगवान मुरुगा मंदिर के हाथी ने कुचलकर मार डाला था। दक्षिणी तूतीकोरिन जिले में समुद्र तट पर स्थित तिरुचेंदूर मंदिर, भगवान मुरुगा के छह निवासों में से एक है और भारत और विदेशों के कई हिस्सों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है।

मुख्यमंत्री ने आज शाम यहां एक बयान में कहा कि महावत उदयकुमार और उसके रिश्तेदार सिसुबलन को 18 नवंबर को मंदिर के हाथी देवनाई ने कुचलकर मार डाला था। सिसुबलन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महावत की अस्पताल में मौत हो गई थी। स्टालिन ने उनकी मृत्यु पर गहरा दुख और पीड़ा व्यक्त करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की और मुख्यमंत्री जन राहत कोष से उनके परिवारों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

उत्तरी तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने 27 और 28 नवंबर को राज्य की राजधानी चेन्नई सहित उत्तरी तमिलनाडु के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, यह वर्षा बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बने निम्न दबाव के कारण होगी। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मौसम प्रणाली के शनिवार को विकसित होने की संभावना है और अगले दो दिनों में यह डिप्रेशन में बदल सकती है, जिससे भारी बारिश होने की संभावना बन रही है। आरएमसी ने स्पष्ट किया कि इस मौसम के चक्रवाती तूफान में विकसित होने की उम्मीद नहीं है। विभाग के बयान में कहा गया है कि थोड़े समय के सूखे के बाद उत्तरी तमिलनाडु में बारिश वापस आ रही है।

पूर्वानुमान में 27 और 28 नवंबर को 24 घंटों के भीतर 6 से 12 सेमी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। 26 नवंबर को कांचीपुरम और चेंगलपट्टू में भारी बारिश की उम्मीद है, इसके बाद 27 और 28 नवंबर को पूरे उत्तरी तमिलनाडु में व्यापक रूप से भारी बारिश होगी। कुड्डालोर और रामनाथपुरम जिलों में भी 27 नवंबर को भारी बारिश होगी, जिससे इन क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आरएमसी ने 26 नवंबर को तमिलनाडु के छह जिलों और कराईकल क्षेत्र में ऑरेंज अलर्ट और चार जिलों और पुडुचेरी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विल्लुपुरम और मयिलादुथुराई जिले 26 नवंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट पर हैं, जबकि तिरुवल्लूर से नागपट्टिनम सहित 10 जिले भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट पर हैं।

पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत के बाद से, चेन्नई में 55 सेमी बारिश दर्ज की गई है, जो 2 प्रतिशत की मामूली कमी को दिखाता है। पूरे तमिलनाडु में 33 सेमी बारिश हुई है, जो औसत से 5 प्रतिशत अधिक है। मौसम अधिकारियों ने कहा कि 27 और 28 नवंबर को चेन्नई में भारी बारिश से बारिश की कमी दूर हो सकती है और शहर में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

हालांकि, तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में भारी बारिश सांबा धान किसानों के बीच चिंता का विषय है। वहीं मयिलादुथुराई, तंजावुर, तिरुवरूर और नागपट्टिनम जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिससे गंभीर बाढ़ और जल जमाव हो रहा है। पिछले दो दिनों में सेम्बनारकोइल, मयिलादुथुराई में 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। तिरुवरूर जिले में, नन्निलम में 59 मिमी और नीदमंगलम में 47.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश और जलभराव से इन जिलों में सांबा की फसलों को भारी नुकसान होने की संभावना है, जहां बड़े क्षेत्रों में धान की खेती की जाती है।

वहीं तमिलनाडु में 17 अक्टूबर को मानसून शुरू होने के बाद से लगातार बारिश हो रही है। राज्य भर में लगभग 90 जलाशय 60 प्रतिशत से अधिक भरे हुए हैं। जलाशयों में वर्तमान में 143.804 टीएमसीएफटी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) पानी है, जो उनकी कुल क्षमता 224.297 टीएमसीएफटी का 64.11 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है जब भंडारण स्तर 79.514 टीएमसीएफटी (35.58 प्रतिशत) था। महत्वपूर्ण जल स्रोत मेट्टूर जलाशय का भंडारण स्तर 62,140 टीएमसीएफटी है, जो 2023 की तुलना में 384 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह भवानीसागर जलाशय में 21,141 टीएमसीएफटी दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 210 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

यूपीआई उपयोगकर्ताओं से ठगी के लिए खतरनाक मोबाइल ऐप का उपयोग करते हैं जालसाज : तमिलनाडु पुलिस

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु पुलिस ने शनिवार को कहा कि एक ताजा घोटाले में जालसाजों ने 'पीएम किसान योजना' नामक एक खतरनाक ऐप का इस्तेमाल किया और यूपीआई उपयोगकर्ताओं के पैसे चुरा लिये। पुलिस ने लोगों को वित्तीय लेनदेन के लिए केवल आधिकारिक ऐप और वेबसाइट के इस्तेमाल की सलाह दी।

फोनपे के माध्यम से अनधिकृत डेबिट की जांच में 'पीएम किसान योजना' नामक एक खतरनाक ऐप के उपयोग का पता चला और यह ऐप व्हाट्सऐप सहित कई चैनलों के माध्यम से वितरित किया गया तथा इसके जरिये उपयोगकर्ता के मोबाइल के एसएमएस और डिवाइस अनुमतियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया। साइबर अपराध शाखा के राज्य मुख्यालय ने यहां एक बयान में कहा, ''धोखेबाज एसएमएस ट्रैफिक को रोकते हैं और इसका उपयोग यूपीआई ऐप में हेरफेर करने के लिए करते हैं। वे इंटरसेप्ट किए गए डेटा का उपयोग यूपीआई मंचों पर उपकरणों को पंजीकृत करने के लिए करते हैं, जिससे अनधिकृत लेनदेन सक्षम होता है। यह एक वेब फॉर्म के माध्यम से नाम, आधार नंबर, पैन और जन्मतिथि जैसे संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा भी एकत्र करता है।''

उदयनिधि को अपने उत्थान के लिए कोई त्याग नहीं करना पड़ा : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने शनिवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर 'वंशवादी राजनीति' का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने अपने वर्तमान पद तक पहुंचने के लिए कोई त्याग नहीं किया है। अन्नाद्रमुक के उप महासचिव के.पी. मुनुसामी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उदयनिधि

स्टालिन 'पारिवार की राजनीति' के प्रतीक हैं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई को किसी भी समय उनके पद से हटाया जा सकता है जबकि अभिनेता विजय ने अभी-अभी अपनी राजनीतिक पार्टी शुरू की है।

वह अन्नाद्रमुक में युवा नेताओं से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। पार्टी का नेतृत्व 70 वर्षीय ई. के. पलानीस्वामी कर रहे हैं। अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेताओं में से एक मुनुसामी ने कहा, उदयनिधि स्टालिन कौन हैं? यह दादा, पिता और पुत्र की पारिवारिक राजनीति है; वह युवक (द्रमुक या लोगों की खातिर) त्याग कर उस स्थान पर नहीं पहुंचा है। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मंत्री बी वलारमथी और के पनीदराजन भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, अन्नाद्रमुक एक लोकतांत्रिक पार्टी है। यह कोई पारिवारिक राजनीति पार्टी नहीं है। मुनुसामी ने कहा कि द्रमुक के उलट अन्नाद्रमुक में राजनीतिक उत्तराधिकारियों की घोषणा नहीं की जाती है। मुनुसामी ने कहा कि पार्टी के संस्थापक एम. जी. रामचंद्रन ने अपने उत्तराधिकारी की घोषणा नहीं की थी और 1987 में उनके निधन के बाद जे. जयललिता को चुना गया। इसी तरह, जयललिता ने भी राजनीतिक उत्तराधिकारी की घोषणा नहीं की और 2016 में उनकी मृत्यु के बाद पलानीस्वामी को विधिवत पार्टी प्रमुख चुना गया।

एशिया कप क्वालीफायर में भारत को कतर से मिली हार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत एफआईबीए एशिया के क्वालीफायर में कतर से 53-69 से हार गया है। भारत में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पुरुष बास्केटबॉल टूर्नामेंट चेन्नई में आयोजित किया गया था। दो मुकाबलों के इस दौर में पहला मुकाबला हुआ जिसमें दुनिया में 76वें नंबर की टीम भारत ने 101वें नंबर की कतर टीम के खिलाफ खेला।

टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले, एफआईबीए एशिया के एमेरिटस महासचिव और एशियाई बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव दातो येओह चू हॉक को एक मौन श्रद्धांजलि दी गई, जिनका हाल ही में निधन हो गया। दोनों टीमों ने शुरू से ही बराबरी का खेल दिखाया, हालांकि कतर ने कप्तान हफीज के तीन 3-पॉइंटर्स के साथ 17-14 की बढ़त बना ली, जिससे टीम की संख्या बढ़ गई। लुईस के कमाल के प्रदर्शन की बदौलत कतर की टीम पहले हाफ की समाप्ति पर 36-31 से आगे थी। लुईस और हैरिस ने कतर के लिए लगातार अंक बनाए। लेविस ने 19 अंक और हैरिस ने 17 अंक बनाये। अंत में कतर की टीम ने 69-53 के स्कोर के साथ शानदार जीत दर्ज की. भारतीय टीम 25 नवंबर को एक अन्य क्वालीफाइंग मैच में कजाकिस्तान से भिड़ेगी। यह मैच जीतने पर ही भारत फीबा ङ्कङ्कएशिया कप के लिए क्वालीफाई कर सकेगा।

शिवकुमार ने विधानसभा उपचुनाव में जीत का श्रेय मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व के साथ-साथ पांच गारंटियों को दिया। शिवकुमार ने कहा कि यह जीत 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव का आधार है और पार्टी एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगी। कांग्रेस ने चन्नापटना, शिगगांव और संदूर विधानसभा सीट पर जीत हासिल की।

उपचुनाव 13 नवंबर को हुए थे और आज (शनिवार को) नतीजों की घोषणा हुई। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शनिवार को संदूर विधानसभा क्षेत्र पर अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखी, जहां पार्टी उम्मीदवार ई. अन्नपूर्णा ने भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु को हराकर सीट जीत हासिल की।

चन्नपटना क्षेत्र में कांग्रेस के सीपी योगीश्वर ने जद (एस) उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी को हराकर जीत हासिल की।

इसी तरह, कांग्रेस के यासिर अहमद खान पठान ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई को हराकर शिगगांव विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, हमारी जीत के पीछे हमारी गारंटी, सिद्दरामय्या का नेतृत्व, हमारे कार्यकर्ता और विधायक- बड़े कारण हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव निखिल कुमारस्वामी या भरत बोम्मई नहीं हारे, बल्कि उनके परिजन केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई हारे हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, इस जीत के साथ अब हमारी विधायकों की संख्या 138 हो गई है। कुछ निर्दलीय भी हैं, लेकिन मैं यह नहीं बताऊंगा कि किस तरह कुछ लोगों ने हमें अंदरूनी समर्थन दिया। कर्नाटक में विधानसभा की 224 सीट हैं।

क्षेत्रीय दल भारतीय राजनीति का भविष्य रहे हैं, आगे भी रहेंगे : बीआरएस

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि क्षेत्रीय दल हमेशा से भारतीय राजनीति का भविष्य रहे हैं और आगे भी रहेंगे। राव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस पार्टी एक मजबूत विपक्ष बनने में विफल रही है, लेकिन क्षेत्रीय दलों को नष्ट करने पर तुली हुई है और यह हर बार का विषय बन गया है। उन्होंने कहा, ''आज महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणामों ने स्पष्ट संदेश दिया है: क्षेत्रीय दल हमेशा से भारतीय राजनीति का भविष्य रहे हैं और रहेंगे। कांग्रेस पार्टी एक मजबूत विपक्ष बनने में विफल रही है, लेकिन क्षेत्रीय दलों को नष्ट करने पर तुली हुई है। यह एक आवर्ती विषय बन गया है।''

नवीनतम मतगणना रुझानों के अनुसार, भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन महाराष्ट्र में भारी बहुमत की ओर बढ़ रहा है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, झारखंड में झामुमो ने 81 विधानसभा सीट में से 17 सीट जीत ली हैं और 17 पर आगे है। रामा राव ने कहा कि भाजपा केवल कांग्रेस की अक्षमता के कारण ही ऐसी स्थिति में बनी हुई है और दोनों राष्ट्रीय दल ''क्षेत्रीय दलों की मेहनत और प्रतिबद्धता का बेशर्मी से फायदा उठा रहे हैं।''

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में उनके प्रचार और भाषण कांग्रेस पार्टी को विफलता से नहीं बचा सके। उन्होंने रेड्डी को सलाह दी कि वह उन ''छह गारंटियों'' को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें, जिनका वादा कांग्रेस ने पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान किया था।

प्रियंका गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट से 4.1 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की। यह जानकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़े से मिली।

प्रियंका को 6,22,338 वोट मिले जो इस वर्ष अप्रैल में लोकसभा चुनाव में वायनाड में उनके भाई राहुल गांधी को मिले 6,47,445 मतों से कम हैं। हालांकि वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कम मतदान होने के बावजूद प्रियंका गांधी की जीत का अंतर 4,10,931 रहा जो कि राहुल गांधी की 3,64,422 मतों के अंतर से अधिक है। वायनाड में 14 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। इस वर्ष अप्रैल में हुए लोकसभा चुनाव में यहां करीब 74 प्रतिशत मतदान हुआ था, लेकिन नवंबर में हुए उपचुनाव में मतदान प्रतिशत घटकर 65 प्रतिशत रह गया था।

वायनाड में 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा ने 2,83,023 मतों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के. सुरेंद्रन 1,41,045 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। मोकेरी को 2,11,407 वोट मिले और भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नव्या हरिदास 1,09,939 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केरल के वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित होने के बाद क्षेत्र की जनता, मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा तथा साथी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वायनाड की मेरी प्यारी बहनों और भाइयों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिसे आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझती है और आपके लिए लड़ती है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने कहा, मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद्। कांग्रेस महासचिव ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सहयोगियों, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का अभार जताया। उन्होंने कहा, मेरी मां, रॉबर्ट (पति) और मेरे दो रत्नों- रेहान और मिराया, आपने मुझे जो प्यार और साहस दिया है उसके लिए कोई भी आभार पर्याप्त नहीं है। मेरे भाई, राहुल, आप बहादुर हैं... मुझे रास्ता दिखाने और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद्।

संसद में वायनाड के लोगों की आवाज बनूंगी : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल के वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में शनिवार को अपनी जीत सुनिश्चित होने के बाद क्षेत्र की जनता का आभार जताया और कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आवाज बनेंगी। उन्होंने मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा तथा साथी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उनका यह कहना था कि वह संसद में वायनाड के लोगों की आवाज बनने को उत्सुक हैं।

जीत के बाद प्रियंका गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मुलाकात की और सहयोग के लिए उनका आभार जताया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की।

प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''वायनाड की मेरी प्यारी बहनो और भाइयो, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिसे आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझती है तथा आपके लिए लड़ती है। मैं संसद में आपकी आवाज़ बनने के लिए उत्सुक हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद्।'' कांग्रेस महासचिव ने यूडीएफ के सहयोगियों, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का भी अभार जताया। उन्होंने कहा, ''मेरी मां, रॉबर्ट (पति) और मेरे दो रत्नों- रेहान और मिराया, आपने मुझे जो प्यार और साहस दिया है उसके लिए कोई भी आभार पर्याप्त नहीं है। मेरे भाई, राहुल, आप बहादुर हैं... मुझे रास्ता दिखाने और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद्।''

केरल के वायनाड से उनके निर्वाचन के बाद यह पहली बार है कि संसद में गांधी-नेहरू परिवार के तीन सदस्य होंगे। उनके भाई राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं तथा मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं।

यजीदी समुदाय के नेता को संयुक्त राष्ट्र में भारत से समर्थन की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/दक्षिण भारत। आईएसआईएस द्वारा सताए गए इराक के धार्मिक अल्पसंख्यक यजीदी समुदाय के एक नेता ने शनिवार को यहां भारत सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र में उनके मुद्दे को उठाकर समुदाय की मदद करने की उम्मीद जताई है। आईएसआईएस ने हजारों यजीदियों को मार डाला था तथा महिलाओं और लड़कियों को यौन दासता में धकेल दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भारत सरकार से कोई मदद चाहते हैं, आर्मेनिया में यजीदी राष्ट्रीय संघ के अध्यक्ष खद्र हजोयान ने शुक्रवार को ''हां'' में जवाब दिया और कहा कि वह 2015 में भारत से समर्थन मांगने वाले यजीदी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

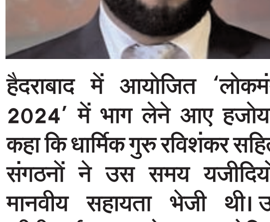

हैदराबाद में आयोजित 'लोकमंथन-2024' में भाग लेने आए हजोयान ने कहा कि धार्मिक गुरु रविशंकर सहित कई संगठनों ने उस समय यजीदियों को मानवीय सहायता भेजी थी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''लेकिन हम चाहते हैं कि राष्ट्र स्तर पर भी यजीदियों को सुरक्षा प्रदान की जाए। हम यजीदियों के पास अपना कोई देश नहीं है। भारत संयुक्त राष्ट्र में, खासकर सुरक्षा परिषद में एक प्रभावशाली देश है। हमारे बारे में वास्तविकता पेश कर सकता है।

सुविचार

कुछ सच तो हम पहले से जानते थे, बस देखना चाहते थे कि लोग झूट कहाँ तक बोल सकते हैं!

ट्वीट

राजस्थान उपचुनाव में रामगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री सुखवंत सिंह जी को ऐतिहासिक जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह जीत जनता के विश्वास, कार्यकर्ताओं की मेहनत और भाजपा की सशक्त नीतियों का परिणाम है।

-दीया कुमारी

लोकप्रिय, विनम्र एवं कर्मठ राजनेता, माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी को उनके जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई! आपकी कुशल नेतृत्व क्षमता, संसदीय परंपराओं के प्रति निष्ठा आपकी प्रतिबद्धता सराहनीय है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

धिक्कार

मुंशी प्रेमचंद

बात उस समय की है जब ईरान और यूनान के बीच लड़ाई हो रही थी। ईरानियों का आक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा था और यूनानी कमजोर पड़ रहे थे। आलम ऐसा था कि देश के सारे व्यापार बंद हो चुके थे और सभी युद्ध की तैयारी में जुट गए थे। यहां तक की देश के किसान भी अपने हाथों में हल की जगह तलवार और भाले लेकर उठ खड़े हुए थे। पूरा देश आत्मरक्षा के लिए एकजुट हो गया था, लेकिन फिर भी शत्रुओं के आक्रमण का जवाब देना मुश्किल हो रहा था। एक वक्त था जब इसी ईरान को यूनान, कई बार धूल चटा चुका था, लेकिन आज समय उलटा चल रहा था। ईरान के आगे यूनानी शक्तियां कमजोर पड़ रही थी। एक तरफ देश के वीर पुरुष लगातार युद्ध के मैदान में अपनी बलि दे रहे थे तो दूसरी तरफ महिलाएं सुहाग उजड़ने की खबर सुनकर टूट रहीं थी। दरअसल, देश की महिलाएं भी मजबूर थीं। उन्हें अफसोस था कि वो अपने पतियों की रक्षा नहीं कर पा रहीं थी। ऐसा नहीं था कि उन्हें अपनी जान या फिर संपत्ति गंवाने का डर था। असल में उन्हें डर था अपनी मर्यादा का। ईरानी जीतने के बाद महिलाओं को घूरेंगे और कैद कर के अपने साथ ले जाएंगे। जो ये महिलाएं नहीं चाहती थी। एक समय के बाद जब स्थिति बहुत खराब हो गई तो देश में बचे हुए पुरुष और महिलाओं ने मंदिर जाकर देवी से सवाल करने का फैसला किया। एक दिन सभी मिलकर वहां के प्रसिद्ध डेल्फी मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने देवी से सवाल भी किया। उन्होंने कहा 'हे देवी, हमारे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। हमसे ऐसी कौन-सी गलती हुई है, जिसकी सजा हमारे लोगों को मिल रही है। क्या हमने कुर्बानियां नहीं दी या फिर उपवास नहीं रखा? आखिर हमने ऐसा क्या किया है जिससे देवता हमसे इतने नाराज हो गए कि वो हमारी रक्षा नहीं कर रहे हैं।'

इस पर मंदिर में मौजूद पुजारिन ने कहा 'हमारा देश किसी देश द्रोही के कारण ऐसी संकट झेल रहा है। जब तक उसे पकड़ नहीं लिया जाएगा तब तक ऐसी स्थिति बनी ही रहेगी। इसमें देवताओं की कृपा भी नहीं काम करेगी। इसके लिए हमें ही कदम उठाना होगा' इसके बाद लोगों ने देवी से पूछा 'हे देवी, हमें बताइए कि वो देशद्रोही कौन है?' जिसके बाद उन्हें जवाब मिला- 'जिस घर से रात में गाने की आवाज सुनाई देती है , जिस घर से दिन में खुशबू आती है, जिस पुरुष की आंखें अंहकार से लाल हो, समझो वही इस देश का द्रोही है।' इसके बाद लोगों ने देशद्रोही की और पहचान जानने के लिए देवी से कई सारे सवाल किए, लेकिन देवी ने किसी का उत्तर नहीं दिया और शांत हो गई। देशद्रोही के बारे में थोड़ी बहुत जानकारी पाने के बाद लोग अपने-अपने घरों की ओर लौट गए और उसकी तलाश करनी शुरू कर दी। यूनानियों ने ऐसा घर खोजना शुरू कर दिया जिसमें से रात को गाने की आवाज आती हो या फिर घर से खुशबू आती हो। उन्होंने बहुत खोज की, लेकिन उन्हें ऐसा घर नहीं मिला।

दरअसल, शाम होते ही हर जगह शांति छा जाती थी। घरों से आवाजें तो आती थीं, लेकिन वो आवाजें लोगों के रोने और चिल्लाने की होती थी। देश के सभी लोग लड़ाई में इतने व्यस्त हो गए थे, कि घर की साफ-सफाई का भी किसी को ध्यान नहीं रहता था। इसलिए हर घर से केवल बदबू ही निकलती थी। शहर की हर गलियां कूड़े-कचरे से भर चुकी थी। सफाई कर्मी से लेकर धोबी तक सभी युद्ध के मैदान में पहुंच चुके थे। जिस वजह से हर जगह गंदगी और बदबू की ही महक आ रही थी। लोगों की आंखें भी लाल थी, लेकिन आंखों की वो लालिमा अहंकार की नहीं, बल्कि आंसुओं की थी, जो अपनों को खोने के बाद निकल रहे थे। हर तरफ कोहराम मचा था। लोग अपनी मौत को बेहद पास देख रहे थे। इसी स्थिति को झेलते हुए लोगों ने उस देशद्रोही की तलाश के लिए पूरा शहर छान मारा, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। दिन बीतते चले गए। यूनानियों की स्थिति बद से बदतर होती चली गई। युद्ध के मैदान से और भी बुरी खबरें आने लगी। लोगों के मरने का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता चला गया।

इसी बीच एक दिन आधी रात के समय, एक बूढ़ा आदमी अपने घर से बाहर निकला। पूरे शहर में अंधेरा छाया हुआ था। ऐसा लग रहा था मानों वह कोई शहर नहीं, बल्कि शमशान घाट हो। दूर-दूर तक वहां कोई दिखाई नहीं दे रहा था। शहर के नाट्यशालाओं में जहां एक समय लोगों की भीड़ होती थी वहां अब सियार बोल रहे थे। बाजारों में लोगों की जगह उल्लू बोल रहे थे। मंदिरों में शांति और महलों में अंधेरा छाया हुआ था। वह बूढ़ा आदमी अपने घर से निकलकर उसी देवी की मंदिर की ओर चलता जा रहा था। उसका इकलौता बेटा लड़ाई के मैदान में मौत को चुनौती दे रहा था। उस बूढ़े आदमी को किसी की भी परवाह नहीं थी, वह अपने विचारों में खोया हुआ चलता जा रहा था। रास्ते में अंधेरा होने के कारण वह कई बार गिरा, लेकिन हर बार खुद को संभालते हुए आगे बढ़ता चला गया। दरअसल, उसने ठान लिया था कि वह देवी से जीत का आशीर्वाद लेकर ही रहेगा नहीं तो वह अपनी जान उसी देवी के चरणों में त्याग देगा।

जैसे ही वह देवी के मंदिर पहुंचा तभी उसके कानों में एक आवाज सुनाई दी जिससे वह चौंक पड़ा। उसने देखा कि मंदिर के पीछे से किसी घर से मधुर आवाज में संगीत की धुन बज रही थी। बूढ़े आदमी को बहुत हैरानी हुई। उसने सोचा कि ऐसी संकट की घड़ी में वह कौन है जो खुशी मना रहा है। वह इस बारे में जानने के लिए मंदिर के पीछे वाले घर की ओर चल पड़ा। वहां पहुंचकर उसने देखा कि वह तो उसी मंदिर की पुजारिन का घर था। बूढ़ा आदमी इस बारे में और अधिक जानने के लिए उस घर की खिड़की के पास जाकर खड़ा हो गया और अंदर की ओर झांकने लगा। तभी उसने देखा कि उस कमरे में खूबसूरत मोमबत्तियां जल रहीं थी, घर एकदम साफ-सुथरा और सजा हुआ था। उस कमरे में एक लड़का टेबल पर बैठा हुआ था। उसके सामने पेय पदार्थों की बोतल और दो ग्लास रखी हुई थी। साथ ही दो नौकर उसी टेबल के सामने अपने हाथों में खाने की प्लेट लेकर खड़े थे, जिसमें से बहुत अच्छी खुशबू आ रही थी। यह देखते ही बूढ़ा आदमी जोर-जोर से चिल्लाने लगा यही है देशद्रोही, यही है देशद्रोही। जिसके बाद मंदिर के दिवारों में द्रोही है, द्रोही है, की आवाज गूंज उठी।

तभी वहां स्थित बगीचे की तरफ से भी आवाज सुनाई दी यही है देशद्रोही! यह सुनते ही मंदिर की पुजारिन अपने कमरे से बाहर निकली और पूछा कहां है देशद्रोही? कौन है देशद्रोही? वह देशद्रोही कोई और नहीं, बल्कि उसी मंदिर की पुजारिन का बेटा था। जिसका नाम था- पासोनियस। वह उसी देश में रहकर उसी के खिलाफ काम करता था। देश की रक्षा के लिए जो भी योजना बनाई जाती थी वह उसे शत्रुओं यानी ईरीनियों को बता देता था। जिससे ईरानी अधिक सतर्क हो जाते थे और यूनानियों की हर योजना को मात दे देते थे। यही वजह थी कि यूनानियों के द्वारा जीत की लाख योजना बनाने के बाद भी वह हार जाते थे और उनकी जीत नहीं हो पा रही थी। इस काम के बदले पुजारिन के बेटे को बहुत सारे पैसे मिलते थे। जिससे वह आराम और मौज की जिंदगी जी रहा था। उसे अपने देश की थोड़ी सी भी परवाह नहीं थी। वह केवल अपने बारे में सोचता था। बाकी लोग मरे या जिंदा रहे, इस बात से उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था। वहीं, पुजारिन अपने बेटे के इस काम से अनजान थी। उसे थोड़ा सा भी अंदाजा नहीं था कि उसका बेटा इतना स्वार्थी होगा कि वह लाखों लोगों की जान की फिक्र नहीं, बल्कि केवल अपनी फिक्र करेगा। दरअसल, पुजारिन हमेशा उसी घर के एक अंधेरी कोठरी में रहती थी। वह वहां से बहुत कम निकलती थी। दिनभर वह कमरे के अंदर बैठी पूजा-पाठ में लगी रहती थी, जिस वजह से उसे बाहर के बारे में कुछ भी पता नहीं चल पाता था।

बूढ़े आदमी ने जब देशद्रोही का शोर मचाया था, उस समय भी पुजारिन अपनी कोठरी में बैठकर देवी की पूजा कर रही थी। आवाज सुनकर पुजारिन अपने कमरे से निकली और अपने बेटे की कमरे में झांक कर देखने लगी। वहां उसने भी वही नजारा देखा जो उस बूढ़े आदमी ने देखा था। कमरे में मोमबत्तियां जल रहीं थी, गाना बज रहा था और उसका बेटा अहंकार में डूबा हुआ था। यह सब देखकर पुजारिन को बहुत दुख हुआ। उसने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि उसका बेटा देशद्रोही होगा। लेकिन उसने जो देखा, उसके बाद उसे भी विश्वास हो गया कि उसका बेटा देशद्रोही है। फिर उस बूढ़े आदमी के साथ मिलकर वह भी चिल्लाने लगी यही है देशद्रोही। दोनों की आवाज सुनकर शहर के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए और चिल्लाने लगे यही है देशद्रोही, यही है देशद्रोही। एक तरफ लोगों की शोर सुनकर जहां पासोनियस के कमरे की रोशनी बंद हो गयी, गाना बजना बंद हो गया था। वहीं दूसरी तरफ लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही थी और देशद्रही का नारा भी तेज हो रहा था। लोगों ने अंधेरा दूर करने के लिए मशालें जलायी और हथियार निकालने शुरू कर दिए। वहां इकट्ठा हुई भीड़ से तरह-तरह की आवाजें आने लगी। कोई कहता इस देशद्रोही की जान को देवी के चरणों में चढ़ा देते हैं, तो कोई उसे उसी के घर की छत से फेंकने की सलाह दे रहा था।

यह सब देखकर पासोनियस को समझ आ गया था कि वह अब फंस चुका है। वह तुरंत वहां से भाग कर उसी देवी की मंदिर में छिप गया। यह देख सभी लोग मंदिर पहुंचे, लेकिन यहां वे सभी असमंजस में पड़ गए थे। पुजारिन के बेटे को सजा कैसे दी जाए। दरअसल, सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार मंदिर में किसी को मारना पाप कहलाता था। लेकिन कोई उस देशद्रोही को छोड़ना भी नहीं चाहता था। इस बीच, भीड़ से फिर तरह-तरह की आवाजें आने लगी।

कोई कहता -'उसका हाथ खींचकर बाहर लाते हैं।' कोई कहता 'एक देशद्रोही को मारने के लिए देवी हम लोगों को माफ कर देगी।' कोई कहता 'देवी ही मंदिर में उसे सजा दे देंगी।' कोई कहता 'उसे पत्थर से मारते हैं, वह खुद मंदिर से बाहर निकल जाएगा।' उस रात यही शोर मचता रहा और पायोनियस मंदिर के अंदर ही छिपा रहा। आखिरकार लोगों ने यह तय किया कि मंदिर की छत को तोड़ दिया जाए, जिससे मंदिर के अंदर छिपा पायोनियस कड़कड़ाती धूप और ठंड से अकड़ जाए। लोगों ने तुरंत इस काम को शुरू कर दिया और मंदिर की छत को तोड़ने लगे। पुजारिन का देशद्रोही बेटा दिनभर तेज धूप में खड़ा रहा। इस दौरान उसे तेज भूख और प्यास भी लगी, लेकिन पासोनियस को न एक बूंद पानी नसीब हुआ और नाही खाना। दिन भर वह कई तरह के कष्ट झेलता रहा। उसने कई बार लोगों से मदद भी मांगी, लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। वह बार-बार लोगों से विनती करने लगा कि वह दोबारा से ऐसी गलती कभी नहीं करेगा।

कई बार तो उसने अपनी जान तक लेने की भी सोची, लेकिन उसे इस बात का विश्वास था कि लोग उसे माफ कर देंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। कई दिन बीत गए, पासोनियस के हाथ-पांव बुरी तरह से अकड़ गए थे। दिन में वह खुद को कड़कड़ाती धूप से बचाता तो रात में जान लेने वाली ठंड से। एक दिन वह खुद को गर्मी से बचाने के लिए मंदिर में ही इधर से उधर दौड़ रहा था कि तभी वह गिर पड़ा। अगले दिन सुबह के समय लोगों ने जब मंदिर का दरवाजा खोला तो देखा कि पुजारिन का बेटा जमीन पर गिरा हुआ था। लोगों ने जब उसे जगाने की कोशिश की तो वह हिल भी नहीं सका। उसकी स्थिति बहुत खराब हो चुकी थी, लेकिन लोगों ने उस पर तनिक भी दया नहीं दिखाई। इस दौरान वहां मौजूद लोगों में से एक ने कहा 'अभी मरा नहीं है?'

तो वहीं दूसरे ने कहा- 'देशद्रोहियों को मौत नहीं आती।' जबकि तीसरे ने कहा- 'ऐसे ही पड़ा रहने दो, मर जाएगा।' चौथे व्यक्ति ने कहा- 'ये नाटक कर रहा है।' पांचवे व्यक्ति ने कहा- 'इसने जो पाप किया था, उसकी सजा इसे मिल गई है, अब इसे छोड़ देना चाहिए।' इतना सुनते ही पासोनियस उठ बैठा और बोला 'आप सब मुझे मत छोड़ना। अगर मुझे छोड़ दिया तो बाद में आप सभी को पछताना पड़ेगा। मैं बहुत स्वार्थी हूं। इसलिए मुझ पर विश्वास मत कीजिए। मैंने जो पाप किया है उसकी सजा मुझे मिलनी ही चाहिए।' पासोनियस ने आगे कहा 'मैं अपने जीवन के अंत में इस देश की कुछ सेवा करना चाहता हूं। मेरे पास ईरानियों के कुछ ऐसे रहस्य हैं, जिन्हें जानने के बाद ईरानियों को हराना आसान हो जाएगा। रात भर मैंने देवी की पूजा की है। उन्होंने प्रसन्न होकर मुझे ऐसा वरदान दिया है, जिससे विजयी प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन मुझे अपने आप पर भरोसा नहीं है। यहां से बाहर निकलते ही सारी बातें भूल जाऊंगा और लालच में आकर फिर से ईरानियों की मदद करने लगूंगा। इसलिए मेरे ऊपर भरोसा करना सही नहीं है।' तभी भीड़ में से एक यूनानी ने कहा- 'अरे सुनो तो यह क्या कहता है?' वहीं, दूसरे यूनानी ने कहा- 'नहीं, भाई, शायद यह सच्चा इंसान है।' जबकि तीसरे ने कहा- 'यह अपनी गलतियों को मान रहा है।' इसके बाद चौथे व्यक्ति ने कहा- 'अब हम इसे माफ कर सकते हैं और इससे ईरानियों की योजना के बारे में पूछ सकते हैं।' तभी पांचवें यूनानी ने कहा- 'यह कैसा इंसान है, जो एक ही बात बोल रहा है कि मुझ पर भरोसा नहीं करना।' इस पर वहां मौजूद छठे व्यक्ति ने कहा 'लगता है रात भर कष्ट झेलने के बाद इसे पछतावा हो गया है।' सभी की बातें सुनने के बाद पासोनियस ने कहा- ' क्या आप लोग मुझे माफ करने वाले हैं? ऐसा मत कीजिए। मैं आप सब से फिर से विनती करता हूं कि मैं भरोसा करने के काबिल नहीं, बल्कि मैं तो इस देश का द्रोही हूं। मझे ईरानियों से जुड़े हुए कई सारे राज मालूम हैं। मैं अगर किसी भी तरह ईरानियों के पास पहुंच गया, तो उनके साथ मिलकर इस देश का नाश कर दूंगा।' उसकी यह बाते सुनकर फिर से एक यूनानी ने कहा 'एक गद्दार इस तरह की बातें नहीं कर सकता।' इस पर दूसरे ने कहा 'पहले यह लालची हो गया था, अब शायद इसे अपनी गलती का एहसास हो रहा है।' इसके बाद वहां मौजूद तीसरे व्यक्ति ने कहा- 'एक गद्दार से अपने फायदे की बात जान लेना किसी भी प्रकार से गलत नहीं है। उसके बाद हम इसे छोड़ने की सोच सकते हैं।' वहीं, चौथे यूनानी ने कहा- 'देवी के आशीर्वाद से इसमें बदलाव आया है।' जबकि, पांचवें ने कहा- 'पापियों की भी आत्मा होती है, जो कष्ट झेलने के बाद सुधर जाती है। ऐसे में यह सोचना कि एक बार जिसने पाप किया है, वह कभी पुण्य नहीं कर सकता, गलत होगा।' पांचवें यूनानी की बातें सुनने के बाद वहां मौजूद छठे व्यक्ति ने कहा 'हम सब इसे यहां से गाते-बजाते लेकर चलेंगे।' इस पर एक स्त्री ने कहा- 'सुनो भाई! संगीत वालों को बुलाओं, यह तो शरीफ लगता है।' इस पर दूसरी महिला ने कहा 'हां..हां, चलो हम पहले जाकर पासोनियस से अपने सख्त व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं।' तभी पासोनियस ने कहा- 'अगर मुझे पहले ही ये सब पूछा गया होता तो मैं सब कुछ तभी बता देता। फिर आप तय कर पाते कि मुझे मारना सही है या नहीं।'

इसी दौरान एक बूढ़ी औरत दौड़ती हुई आई और वहां की सबसे ऊंची दीवार पर खड़ी होकर कहने लगी 'तुम लोग ये क्या कर रहे हो?' क्या तुम लोगों को सच और झूठ में अंतर नहीं पता चल पा रहा? क्या तुम लोगों को इस देशद्रोही पर अभी भी भरोसा है? तुम सब ये कैसे भूल गए कि इसी पासोनियस ने न जाने कितने घरों को उजाड़ दिया है।' उस बूढ़ी महिला ने आगे कहा- 'आज तुम सब इसकी बातों में आकर इसे छोड़ने जा रहे हो। याद रखो, अगर यह यहां से निकल गया तो हम सब की जिंदगी खराब कर देगा। इसके कारण हमारे इस देश पर ईरानियों का राज होगा।' आगे महिला ने कहा 'यह देवी का आदेश है कि इस पासोनियस को बाहर न निकलने दें। अगर हम सबको अपने देश और लोगों को बचाना है तो इस मंदिर के दरवाजे को बंद करना ही होगा, लो इसकी पहली नींव मैं ही रखती हूं।' वहां मौजूद लोग महिला को देखते ही सब दंग रह गए। वह महिला कोई और नहीं, बल्कि उसी देशद्रोही की मां थी। इसके बाद क्या था लोगों ने मंदिर के द्वार को बंद करने के लिए पत्थर लगाने शुरू कर दिए और पासोनियस मंदिर के अंदर ही कैद हो गया। वहीं, पासोनियस की मां की ये वीरता देखकर लोगों ने कहा 'हे वीर माता तुम धन्य हो। जिस देश में तुम्हारी जैसी माता हो उसका कभी बुरा नहीं हो सकता है। तुम्हें हमारा कोटि-कोटि प्रणाम।'

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शेष.. विशेष...अशेष!

दुर्लभ मानुष जन्म है, देह न बारम्बार,
तरुवर ज्यों पत्ता झड़े, बहुरि न लागे डार।

संत कबीर का यह दोहा अपने अर्थ में सरल और भावार्थ में असीम विस्तार लिए हुए है। जैसे वृक्ष से झड़ा पत्ता दोबारा डाल पर नहीं लगता, वैसे ही मनुष्य देह बार-बार नहीं मिलती। मनुष्य देह बार-बार नहीं मिलती अर्थात दुर्लभ है। जिसे पाना कठिन हो, स्वाभाविक है कि उसका जतन किया जाए। देह नश्वर है, अत: जतन का तात्पर्य सदुपयोग से है। ऐसा भी नहीं कि मनुष्य इस सच को जानता नहीं पर जानते-बूझते भी अधिकांश का जीवन पल-पल रीत रहा है, निरर्थक-सा क्षण-क्षण बीत रहा है।

कोई हमारे निरर्थक समय का बोध करा दे या आत्मबोध उत्पन्न हो जाए तो प्राय: हम अतीत का पश्चाताप करने लगते हैं। जीवन में जो समय व्यतीत हो चुका, उसके लिए दुख मनाने लगते हैं। पत्थर की लकीर तो यह है कि जब हम अतीत का पश्चाताप कर रहे होते हैं, उसी समय तात्कालिक वर्तमान अतीत हो रहा होता है। अतीतजीवी भूतकाल से बाहर नहीं आ पाता, वर्तमान तक आ नहीं पाता, भविष्य में पहुँचने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। अपनी एक कविता स्मरण हो आ रही है,

हमेशा वर्तमान में जिया,
इसलिए अतीत से लड़ पाया,
तुम जीते रहे अतीत में,
खोया वर्तमान,
हारा अतीत
और भविष्य तो
तुमसे नितांत अपरिचित है,
क्योंकि भविष्य के खाते में
केवल वर्तमान तक पहुँचे
लोगों की नाम दर्ज़ होते हैं..!

अपने आप से दुखी एक अतीतजीवी के मन में बार-बार आत्महत्या का विचार आने लगा था। अपनी समस्या लेकर वह महर्षि रमण के पास पहुँचा। आश्रम में आनेवाले अतिथियों के लिए पत्तल बनाने में महर्षि और उनके शिष्य व्यस्त थे। पत्तल बनाते-बनाते महर्षि रमण ने उस व्यक्ति की समस्या सुनी और चुपचाप पत्तल बनाते रहे। उत्तर की प्रतीक्षा करते-करते व्यक्ति खीझ गया। मनुष्य की विशेषता है जिन प्रश्नों का उत्तर स्वयं वर्षों नहीं खोज पाता, किसी अन्य से उनका उत्तर क्षण भर में पाने की अपेक्षा करता है।

वह चिढ़कर महर्षि से बोला, 'आप पत्तल बनाने में मग्न हैं। एक बार इन पर भोजन परोस दिया गया, उसके बाद तो इन्हें फेंक ही दिया जाएगा न। फिर क्यों इन्हें इतनी बारीकी से बना रहे हैं, क्यों इसके लिए इतना समय दे रहे हैं?' महर्षि मुस्कराकर शांत भाव से बोले, 'यह सत्य है कि पत्तल उपयोग के बाद नष्ट हो जाएगी। मर्त्यलोक में नश्वरता अवश्यंभावी है तथापि मृत्यु से पहले जन्म का सदुपयोग करना ही जीवात्मा का लक्ष्य होना चाहिए। सदुपयोग क्षण-क्षण का। अतीत बीत चुका, भविष्य आया नहीं। वर्तमान को जीने से ही जीवन को जिया जा सकता है, जन्म को सार्थक किया जा सकता है, दुर्लभ मनुज जन्म को भवसागर पार करने का माध्यम बनाया जा सकता है। इसका एक ही तरीका है, हर पल जियो, हर पल वर्तमान जियो।' स्मरण रहे, व्यतीत हो गया, सो अतीत हो गया। अब जो शेष है, वही विशेष है। विशेष पर ध्यान दिया जाए, जीवन को सार्थक जिया जाए तो देह के जाने के बाद भी मनुष्य रहता अशेष है।

बोध कथा

रंग-बिरंगे नाखून

एक बार की बात है, राजा कृष्णदेव राय के दरबार में एक बहेलिया आया। बहेलिये को देख राजा काफी खुश हुए, क्योंकि राजा को पशु-पक्षी बहुत प्यारे थे और बहेलिया एक रंग-बिरंगा सुंदर पक्षी दरबार में लेकर आया था। दरबार में आकर बहेलिया बोला, 'महाराज, मैं कल ही इस खूबसूरत और विचित्र पक्षी से जंगल से पकड़कर लाया हूं। यह बहुत सुरीला है और तोते की तरह बात कर सकता है। साथ ही यह मोर की तरह नाच भी सकता है। आपको पशु-पक्षी बहुत पसंद हैं, इसलिए मैं इस पक्षी को आपके पास बेचने के लिए लाया हूं।' महाराज काफी खुश हुए और बोले, 'देखने में तो यह पक्षी खूबसूरत नजर आ रहा है। मैं इसे जरूर खरीदूंगा और तुम्हें उचित इनाम भी दिया जाएगा।' यह कहकर राजा ने बहेलिये को 50 सोने के सिक्के दिए और पक्षी को शाही बगीचे में रखने का आदेश भी दिया। यह देख तेनालीराम से रहा न गया और उसने उठकर कहा, 'महाराज मुझे नहीं लगता है कि यह पक्षी मोर की तरह नाच सकता है। मुझे तो यह भी लगता है कि यह पक्षी कई सालों से नहाया तक नहीं है।' यह सुनते ही बहेलिया घबरा गया और रोने वाला मुंह बनाकर बोला, 'महाराज मैं बहुत ही गरीब बहेलिया हूं। पंछियों को पकड़कर और उन्हें बेचकर ही मेरा घर चलता है। जितना मैं पशु-पक्षियों को जानता हूं, उसे प्रमाण की जरूरत नहीं है और न ही शक किया जाना चाहिए। बेशक, मैं गरीब हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तेनाली राम जी मुझे गरीब कहेंगे?'

यह बात सुनकर महाराज भी तेनाली राम पर नाराज हुए। उन्होंने तेनाली से कहा, 'क्या तुम अपनी इस बात को साबित कर सकते हो?' इतने में तेनाली ने कहा, 'हां, महाराज मैं साबित कर सकता हूं।' ऐसा कहते हुए तेनाली एक जग में पानी भकर ले आए और पिंजरे में बंद पक्षी पर डाल दिया। ऐसा करते ही दरबार में बैठा हर कोई आश्चर्यचकित होकर पक्षी की तरफ देखने लगा। राजा भी पक्षी को देखकर चौंक गए। तेनाली राम ने जैसे ही पक्षी पर पानी डाला, उस पर लगा सारा रंग उतर गया। पिंजरे में बंद पक्षी का रंग हल्का भूरा हो गया। राजा चौंक कर तेनाली की तरफ देखने लगे। तेनाली ने झट से राजा से कहा कि 'महाराज यह एक जंगली कबूतर है न कि कोई विचित्रि पंछी।' महाराज ने तेनाली से पूछा, 'तेनाली तुम्हें इस बात का कैसे पता चला कि इस पक्षी को रंगा गया है?' तेनाली ने जवाब दिया कि 'महाराज बहेलिये के नाखूनों पर गौर करें। बहेलिये के रंगीन नाखून और पक्षी का रंग एक जैसा ही है। इस बात से यह पता चल जाता है कि बहेलिये ने पक्षी को रंगा था।' यह सब देखकर बहेलिया वहां से भागने ही वाला था कि सैनिकों से उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे जेल में बंदी बनाने का आदेश दिया और उसके सोने के सिक्के तेनालीराम को दे दिए।

वीर गाथा

ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत: खुफिया नेटवर्क से उग्रवादियों का लगाया पता, 'घर में घुसकर' ढेर किया

ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत का जन्म 18 अक्टूबर, 1970 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। माता डॉ. श्रद्धा चौहान और पिता डॉ. जसवंत सिंह शेखावत के वीर पुत्र सौरभ कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित हैं। वे पर्वतारोहण में खास महारत रखते हैं। इसके अलावा सेना के कठिन अभियानों में भाग लेकर देश की सुरक्षा को मजबूत किया।

सौरभ को 11 जून, 1994 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से सेकंड लेफ्टिनेंट के तौर पर मराठा लाइट इन्फैंट्री की 17 बटालियन में कमीशन मिला था। वे साल 1996 में लेफ्टिनेंट, 1999 में कैप्टन और साल 2004 में मेजर बने थे। वे मार्च 2020 में पदोन्नत होकर ब्रिगेडियर बने थे।8 सितंबर, 2008 को सौरभ मणिपुर में 21 पैरा (एसएफ) के टीम लीडर थे तो उन्हें बिशनपुर जिले में एक उग्रवादी शिविर के संबंध में खुफिया नेटवर्क से सूचना मिली थी। उन्होंने रात को निगरानी टुकड़ी के साथ उस दुर्गम इलाके तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। वे तैरते हुए उस ठिकाने तक पहुंचे, जहां उग्रवादी डेरा डाले हुए थे। अचानक उग्रवादियों की नजरें उन पर पड़ीं। वे जवानों की ओर गोलीबारी करने लगे थे।

सौरभ ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए जवानों को गोलीबारी का आदेश दिया। इसके साथ ही पूरा दल तेजी से आगे बढ़ा। सौरभ ने दो उग्रवादियों को वहीं धराशायी कर दिया। बाकी उग्रवादी अपने ठिकाने में छिपकर गोलियां चला रहे थे।अचानक उग्रवादियों ने भारी हथियारों से हमला किया। कुछ जवान उनके निशाने पर आ गए थे। उस समय अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए सौरभ ने गोलियों की बौछार के बीच छलांग लगाई और एक अन्य उग्रवादी को ढेर कर दिया। इससे उग्रवादियों के खेमे में भारी घबराहट फैल गई। इसके बाद भारतीय जवानों ने उस ठिकाने को पूरी तरह तहस-नहस किया और कई उग्रवादियों का भी खात्मा कर दिया। सौरभ सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई उस कार्रवाई से देश के दुश्मनों का नाश हुआ। उन्होंने जिस सूझबूझ, साहस और वीरता से अपने जवानों का नेतृत्व किया, वह अद्भुत है। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद विभिन्न सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं। वे युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शनी

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 के दौरान एक प्रदर्शनी का दौरा करते हुए।

भारत में 1,400 जापानी कंपनियां कार्यरत: महावाणिज्य दूत कोइची

कोलकाता/भाषा। कोलकाता में जापान के महावाणिज्यदूत नाकागावा कोइची ने शनिवार को कहा कि भारत में कार्यरत लगभग 1,400 जापानी कंपनियां दोनों देशों के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने यहां कहा कि दोनों देश सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

कोइची ने यहां एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, जहां तक आर्थिक संबंधों का सवाल है, भारत में फिलहाल करीब 1,400 जापानी कंपनियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जापान भारत में पांचवां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है, जिसने 2000 से 2024 के बीच करीब 42 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) किया है।

कोइची ने कहा कि जापान-भारत के आधुनिक संबंध 20वीं सदी के प्रारंभ में दोनों देशों की प्रमुख हस्तियों जैसे रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रासबिहारी बोस के बीच सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान के माध्यम से आकार लेने लगे।

अनावरण

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने शनिवार को कोलकाता के राजभवन में अपनी स्वयं की मूर्ति का अनावरण किया।

फिलीपीन्सकी उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति की हत्या कराने की धमकी दी

मिनीला/एपी। फिलीपीन्स की उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एक हत्यारे को राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर, उनकी पत्नी लीजा अरनेटा-मार्कोस और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष मार्टिन रोमुअलडेज को मारने की सुपारी दी है। दुतेर्ते के मुताबिक, उन्होंने हत्यारे से कहा है कि अगर उनकी (दुतेर्ते की) हत्या हो जाती है, तो वह तब तक न रुके, जब तक इन तीनों को जान से न मार दे। दुतेर्ते ने धमकी को हल्के में न लेने की चेतावनी देते हुए कहा कि वह कोई मजाक नहीं कर रही हैं।

कार्यकारी सचिव लुकास बर्सामिन ने मार्कोस को दी गई धमकी के खिलाफ तत्काल उचित कार्रवाई' के लिए मामला राष्ट्रपति गार्ड बल के पास भेजा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रपति सुरक्षा कमान ने धमकी के मद्देनजर मार्कोस की सुरक्षा बढ़ा दी है। उसने कहा कि वह उपराष्ट्रपति की ओर से खुलेआम इतनी बेशर्मी से दी गई धमकी को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे के तौर पर देखती है।

राष्ट्रपति सुरक्षा कमान ने कहा कि वह राष्ट्रपति और उनके परिवार के समक्ष मौजूद किसी भी खतरे का पता लगाने, उसे रोकने और उससे बचाव करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहा है। मार्कोस और दुतेर्ते ने मई 2022 में क्रमश: राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद का चुनाव साथ लड़ा था। दोनों नेताओं का प्रचार अभियान राष्ट्रीय एकता के आह्वान पर केंद्रित था, जिसकी बदौलत उन्होंने प्रचंड जीत दर्ज की थी।

हालांकि, बाद में विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियों सहित कई अन्य मुद्दों पर रुख को लेकर मार्कोस और दुतेर्ते में मतभेद उभरने लगे। जून में दुतेर्तो ने मार्कोस मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री और उग्रवाद-विरोधी निकाय की प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया।

अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते की तरह ही मुखर सारा दुतेर्ते ने मार्कोस की खुलेआम आलोचना की। उन्होंने राष्ट्रपति, उनकी पत्नी सारा और रिश्ते के भाई एवं प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष रोमुअलडेज पर भ्रष्टाचार, अक्षमता और दुतेर्ते परिवार व उसके समर्थकों को राजनीतिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। मार्कोस और रोमुअलडेज समर्थक सांसदों के हाल ही में दुतेर्ते की चीफ ऑफ स्टाफ जुलेका लोपेज को हिरासत में लेने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद वह और भड़क गईं।

लोपेज पर दुतेर्ते के खिलाफ उपराष्ट्रपति और शिक्षा मंत्री रहते हुए बजट के कथित दुरुपयोग मामले की संसद की जांच में बाधा डालने का आरोप है। इस घटनाक्रम के बाद लोपेज बीमार पड़ गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जब उन्होंने खुद को एक महिला जेल में अस्थायी रूप से कैद करने की योजना के बारे में सुना तो वह रोने लगीं।

सिनेमाई यात्रा शुरू करने वाले नए फिल्मकारों के लिए लघु फिल्में एक बेहतरीन माध्यम है : एस नाइक

पणजी/एजेन्सी

निर्देशक चिदानंद एस नाइक का कहना है कि सिनेमाई यात्रा शुरू करने वाले नये फिल्मकारों के लिये लघु फिल्में एक बेहतरीन माध्यम है। 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शुक्रवार को आयोजित एक मीडिया संवाद में प्रशंसित लघु फिल्म 'सनफ्लावर्स वेयर द फर्स्ट ओन्स टू नो' की निर्माण टीम ने मीडिया के साथ बातचीत की और इस बेहतरीन फिल्म बनाने के अपने अनुभव साझा किये। निर्देशक चिदानंद एस नाइक ने बताया कि सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो भारतीय लोककथाओं और बचपन के अनुभवों से गहराई से प्रेरित है। यह एक ऐसी कथा गढ़ती है जो पारंपरिक कहानियों और निजी संस्मरणों के काव्यात्मक सौंदर्य को साथ बुनती है। निर्देशक चिदानंद नाइक ने फिल्म को वास्तविक जीवन के अनुभवों की एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने इस फिल्म निर्माण में सांस्कृतिक विषयों और कहानी के पिरोये जाने का वर्णन किया।

एक फिल्मकार के तौर पर उनकी यात्रा के बारे में पूछे जाने पर निर्देशक चिदानंद ने युवा और आकांक्षी फिल्मकारों के लिये लघु फिल्मों से यात्रा शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लघु फिल्में सिनेमाई यात्रा शुरू करने का बेहतरीन मंच है, जो विभिन्न शैलियों, तकनीकों और कहानी कहने के प्रारूपों को साथ लाता है। उन्होंने कहा कि एक फिल्मकार के तौर पर वे हमेशा समय, स्थान और लागत के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि दर्शकों के लिये फिल्म में कुछ खास हो। इस फिल्म की निर्माण प्रक्रिया भी उल्लेखनीय रही। प्रोडक्शन डिजाइनर प्रणव खोत ने सीमित संसाधनों में इस फिल्म को बनाने की चुनौतियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे द्वारा निर्मित, सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हमें रचनात्मक रूप से सोचने, दिशा-निर्देशों के पालन और उपलब्ध संसाधनों में इसे बनाने के लिए प्रेरित किया।

सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट ओन्स टू नो को आधिकारिक तौर पर लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म संवर्ग में 97वें अकादमी पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है।

पाकिस्तान ने गुरुनानक की 555वीं जयंती के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का जारी किया

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव जी की 555वीं जयंती के अवसर पर एक स्मारक सिक्का जारी किया है।

इस विशेष अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यहां आए 2,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्री शनिवार को अपने घरों के लिए रवाना हो गए।

गुरुनानक देव जी की 555वीं जयंती मनाने के लिए समारोह का आयोजन 14 नवंबर को गुरुद्वारा जन्म स्थान ननकाना साहिब में शुरू हुआ था, जहां सिख धर्म के संस्थापक का जन्म हुआ था।

भारत सहित दुनियाभर से आये सिख तीर्थयात्रियों ने यहां से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित गुरुद्वारे में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

पाकिस्तानी रुपए का 55 मूल्यवर्ग के विशेष स्मारक सिक्के पर एक तरफ गुरुद्वारा जन्म स्थान ननकाना साहिब का चित्र है और उसके ऊपर तथा नीचे क्रमशः '555वां जन्मोत्सव' और 'श्री गुरु नानक देव जी 1469-2024' लिखा हुआ है।

सिक्के के अग्र भाग पर, बीच में उत्तर-पश्चिम दिशा में उगते हुए अर्धचन्द्र और पांच-कोण वाला तारा बना हुआ है। शीर्ष पर परिधि पर उर्दू में 'इस्लामी जम्हूरिया पाकिस्तान' (इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान) लिखा हुआ है तथा अर्धचंद्र के नीचे गेहूं के दो पौधे हैं जिनकी भुजाएं ऊपर की ओर मुड़ी हुई हैं।

पाकिस्तान स्टेट बैंक के अनुसार, शुक्रवार को जारी किए गए इस सिक्के में 79 प्रतिशत पीतल, 20 प्रतिशत जस्ता और एक प्रतिशत निकल धातु है; इसका व्यास 30 मिलीमीटर है और इसका वजन 13.5 ग्राम है।

बैंक ने कहा कि यह स्मारक सिक्का पाकिस्तान स्टेट बैंक की सभी शाखाओं के विनिमय काउंटरों पर उपलब्ध होगा।

इस बीच, पंजाब के पहले सिख मंत्री और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान रमेश सिंह अरोड़ा और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' के अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने शनिवार को वाघा सीमा पर भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को विदाई दी।

पाकिस्तान ने गुरुनानक की 550वीं जयंती के अवसर पर ऐसा ही एक सिक्का जारी किया था।

मौनी रॉय ने इंडस्ट्री में अपनी यात्रा में धैर्य को कुंजी मानते हुए अनुभवों को सांझा किया

मुंबई/एजेन्सी

एंटरप्रेन्योर और अभिनेत्री मौनी रॉय आज मनोरंजन इंडस्ट्री में 6 वर्ष सफ़लता से पूरे करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का सेलिब्रेट कर रही हैं। इन वर्षों में, उन्होंने न केवल स्क्रीन पर एक मजबूत उपस्थिति बनाई है, बल्कि टेलीविजन और फिल्मों के बीच सहजता से आगे बढ़ते हुए, अपनी एक अनूठी छवि भी स्थापित की है। अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, मौनी ने इंडस्ट्री के साथ आने वाली चुनौतियों और विकास को अपनाने के अपने अनुभव को साझा किया। इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया, उन्होंने स्वीकार किया कि सफलता की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन आत्म-विश्वास उनके विकास की कुंजी रही है। हालांकि मौनी ने अपने पूरे करियर में उतार-चढ़ाव दोनों देखे हैं, लेकिन वह एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने के लिए समर्पित हैं। उनका मानना ङ्कङ्कहै कि इस प्रतिस्पर्धी इंडस्ट्री में सीखने और बढ़ने की क्षमता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया, हर उद्योग में उतार-चढ़ाव आते हैं। जो मायने रखता है वह यह है कि हम अभिनेता के रूप में विकसित होते रहें और ऐसी कहानियां पेश करें जो दर्शकों से जुड़ें। यह उनके संकल्प दर्शाता है कि वह हमेशा सुधार और विकास की दिशा में काम करती रहेंगी, चाहे रास्ते में कोई भी रुकावट क्यों न हो। छह साल पूरे करने पर, मौनी ने सिर्फ एक माध्यम या प्रारूप से परे देखने और भूमिकाओं और कहानियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने कहा, मेरा ध्यान हमेशा ऐसी भूमिकाएं चुनने पर रहता है जो सच में मुझसे जुड़ते है, चाहे वह किसी भी शैली में हो। यह मानसिकता एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न पात्रों को चित्रित करने के प्रति उनकी समर्पण को दर्शाती है जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती देती हैं। जैसे-जैसे मौनी इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हैं, उनकी यात्रा दृढ़ संकल्प, विकास और कला के प्रति उनके जुनून प्रतीक बनी हुई है।

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा शनिवार को मुंबई एयरपोर्ट पर तस्वीरें खिंचवाती हुई।

फिल्म 'डिस्पैच' में पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगे मनोज वाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मनोज वाजपेयी अपनी आने वाली फिल्म 'डिस्पैच' में पत्रकार की भूमिका में नजर आयेंगे। चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्म श्री से सम्मानित प्रशंसित अभिनेता मनोज बाजपेयी 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में शामिल हुए, जहां उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म डिस्पैच को 'विशेष प्रस्तुतियों' के तहत प्रदर्शित किया जा रहा है।

इफ्फी 2024 के मौके पर संवाददाता सम्मेलन में मनोज बाजपेयी, निर्देशक कन्नू बहल, इशानी बनर्जी और अभिनेत्री शाहना गोस्वामी सहित फिल्म के कलाकारों और क्रू ने मीडिया से बातचीत की। मनोज बाजपेयी ने फिल्म डिस्पैच की यात्रा और इसके निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में भावुकता से बात की। उन्होंने निर्देशक कन्नू बहल की उनके अभिनव फिल्म निर्माण दृष्टिकोण की सराहना की और उन्हें आज के सबसे रोमांचक फिल्म निर्माताओं में से एक बताया।

मनोज बाजपेयी ने कहा, हमने महामारी के दौरान फिल्मांकन शुरू किया, जो अपने आप में एक बड़ी चुनौती थी। हम डेल्टा लहर के दौरान मुंबई में शूटिंग कर रहे थे और हममें से कई लोग संक्रमित हो गए। लेकिन हम उसके बाद जबरदस्त बाधाओं को पार करते हुए शूटिंग जारी रखने के लिए वापस लौटे। उन्होंने कहा, इशानी और कन्नू द्वारा लिखी गई पटकथा अविश्वसनीय रूप से वास्तविक और मनोरंजक है।

यह एक पत्रकार की कहानी है जिसकी महत्वाकांक्षा और पेशेवर प्रेरणा उसके निजी जीवन को प्रभावित करती है। मनोज बाजपेयी ने बताया कि कि कैसे एक पत्रकार की भूमिका के लिए गहन तैयारी ने उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित किया, लेकिन एक अभिनेता के रूप में उन्हें विकसित होने में भी मदद की। उन्होंने कहा, इशानी और कन्नू की स्क्रिप्ट बहुत विस्तृत और वास्तविकता पर आधारित है। यह सभी अभिनेताओं के लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अंत में, यह हर प्रयास के लायक था।

तमन्ना भाटिया ने 'सिकंदर का मुकद्दर' को आम लोगों की रोमांचक कहानी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। पैन-इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया अपनी आगामी डकैती ड्रामा फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वह अपने सह-कलाकार अविनाश तिवारी के साथ एक प्रमुख रेडियो स्टेशन पर फिल्म का प्रचार करने पहुंचीं। प्रशंसकों ने उनके वायरल ट्रैक 'आज की रात' पर एक जीवंत फ्लैशमॉब के साथ उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे तमन्ना खुश और आश्चर्यचकित हो गईं। इस पल को इंजॉय करते हुए, वह भी शामिल हो गई और उनके साथ झूमने लगी।

फूलों और मालाओं से स्वागत करते हुए, तमन्ना की प्रशंसकों के साथ बातचीत ने एक ऊर्जावान प्रचार कार्यक्रम के लिए माहौल तैयार कर दिया। अपने किरदारों और संगीत के बीच संबंधों पर विचार करते हुए, तमन्ना ने साझा किया, मुझे लगता है कि जब एक अभिनेता किसी किरदार के माध्यम से एक गीत प्रस्तुत करता है, तो यह उसमें एक अनोखा स्वाद लाता है।

मेरा करियर काफी हद तक संगीत पर आधारित रहा है, जिसमें कई दक्षिण के गाने शामिल हैं। दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ हूं। यहां तक कि सिकंदर का मुकद्दर में, जहां मैं एक आम लड़की का किरदार निभाती हूं, कहानी एक रोमांचक प्रारूप में बदल जाती है और मुझे लगता है कि लोग इसका आनंद लेंगे। निर्माताओं ने हाल ही में मधुर ट्रैक 'ठहरे रहें' जारी किया है, जिसमें तमन्ना और अविनाश की ताज़ा केमिस्ट्री दिखाई गई है, जिससे फिल्म के लिए उत्साह बढ़ गया है।

नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, 'सिकंदर का मुकद्दर' छ60 करोड़ के हीरे की डकैती और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए लड़ने वाले संदिग्धों की मनोरंजक कहानी है। इसमें तमन्ना को कामिनी सिंह, अविनाश को सिकंदर शर्मा और जिमी शेरगिल को पुलिसकर्मी जसविंदर सिंह के रूप में दिखाया गया है। जो 29 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग होगी।

यह फिल्म थ्रिलर बेहतरीन मनोरंजन का वादा करती है। तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने बहुप्रतीक्षित तेलुगु प्रोजेक्ट, 'ओडेला 2' की शूटिंग पूरी की है, और अपने अगले प्रोजेक्ट, करण जौहर की 'डेयरिंग पार्टनर्स' के लिए तैयारी कर रही हैं।

अमित गोलानी की 'लॉग आउट' में नज़र आएंगे बाबिल खान

पणजी/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता बाबिल खान, निर्देशक अमित गोलानी की बहुप्रतीक्षित फ़िल्म लॉग आउट नजर आने वाले हैं। अर्जेंटीना में प्रतिष्ठित मार डेल प्लाटा अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म फ़ेस्टिवल में फ़िल्म लॉग आउट का वर्ल्ड प्रीमियर होने वाला है। इस फिल्म में बाबिल खान डिजिटल प्रसिद्धि की जटिलताओं को नेविगेट करने वाले एक आधुनिक समय के प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। जैसे-जैसे उनका किरदार आभासी दुनिया में सफलता की ओर बढ़ता है, वह जल्द ही इसके गहरे परिणामों में फंस जाते हैं।

फिल्म का निर्देशन अमित गोलानी ने किया है।बाबिल खान ने एक प्रेस नोट में साझा किया, मैं यह देखकर रोमांचित हूँ कि लोगों ने आखिरकार लॉग आउट देखा। मैंने इस प्रोजेक्ट में अपना दिल और आत्मा दोनों डाल दी है, और मैं दुनिया को इसे दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं कि फिल्म का प्रीमियर ऐसे प्रतिष्ठित समारोह में होगा। उन्होंने कहा, 'अमित गोलानी सर के साथ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है।

फिल्म निर्माण प्रक्रिया को रहस्य से मुक्त करना आवश्यक: प्रसून जोशी

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने लेखक और गीतकार प्रसून जोशी ने कहा है कि फिल्म निर्माण प्रक्रिया को रहस्य से मुक्त करना आवश्यक है। 55 वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में गुरुवार को 'मास्टरक्लास द जर्नी फ्रॉम स्क्रिप्ट टू स्क्रीन: राइटिंग फॉर फिल्म एंड बियॉन्ड' को संबोधित करते हुए प्रसून जोशी ने कहा कि सच्चा कंटेंट भाषा से बंधा नहीं होता और इस तरह से हम कह सकते हैं कि सबसे अच्छी कविता मौन में होती है, क्योंकि मौन एक ऐसी शाश्वत ध्वनि है जो हमें जोड़ती है। मौन ही सर्वोत्तम भाषा है। हमें फिल्म बनाने की प्रक्रिया को रहस्यमय नहीं बनाना चाहिए। फिल्मों में रहस्य हो सकता है लेकिन फिल्म निर्माण प्रक्रिया में नहीं।

प्रसून जोशी ने कहा, मेरी मां कविता में कठिन शब्दों के मेरे प्रयोग पर टिप्पणी करती थीं, जिससे मेरी लेखन शैली में बदलाव आया और में ऐसा लिखने में सक्षम हुआ जो पाठकों को पसंद आए और जिससे सिर्फ मुझे ही संतुष्टि न मिले।मैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को हल्के में नहीं लेता। यह रचनात्मक क्षेत्रों में सबसे पहले प्रभाव डाल रहा है, जबकि इसे इन क्षेत्रों में बाद में आना चाहिए था। हमें यह याद रखना होगा कि गणित पर केंद्रित जो कुछ भी है, उसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गणितीय प्रक्रियाओं को तो समझा सकता है, लेकिन यदि किसी की कविता या कहानी किसी सच्चाई से उत्पन्न होती है तो एआई उस अनुभव को नहीं पैदा कर सकता। एआई के हावी होने से रचनाकार प्रभावित हो रहा है, न कि सृजन।

प्रसून जोशी ने कहा कि हमें कहानी कहने की प्रक्रिया को कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो (सीएमओटी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि हमें भारत की असली कहानियां दिखानी हैं तो फिल्म निर्माण को देश के सबसे दूरदराज हिस्सों तक पहुंचाना होगा ,जिससे मुफ़स्सिल इलाकों से कहानीकार उभर सकें। हम छोटे शहरों और कस्बों की कहानियों को तब तक प्रभावी ढंग से नहीं बता सकते जब तक कि उन जगहों से फ़िल्म निर्माता नहीं निकलेंगे। यदि आप चाहते हैं कि भारत की सच्ची कहानियाँ सामने आएँ, तो आपको फ़िल्म निर्माण को देश के सबसे दूर के कोने में रहने वाले लोगों तक पहुंचाना होगा।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

जिनेंद्र ज्योति संस्थान ने स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। जिनेंद्र ज्योति संस्थान के 25 वर्ष पूरे होने पर डीजी वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मदर कनेक्ट इंडिया सेवा के लिए प्रोजेक्ट का शुभारंभ मुख्य अतिथि अशोक मेहता ने किया।

मंत्री डॉ. ललिता छोरलिया ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्था के सहमंत्री कमला मेहता ने स्पेशल बच्चों की सेवा के लिए तांबरिया पाकम में चल रहे बिल्डिंग के कार्य की जानकारी दी।

'लाइफ ऑफ वे' की संपादक विजया कोटेचा ने मैग्जीन द्वारा मिलने वाले फायदों को दर्शाया। हुंडी प्रोजेक्ट चेयरमैन विमल भंडारी ने दानपेटी प्रोजेक्ट के बारे बताया। पद्मा कांठेड ने मदर कनेक्ट इंडिया कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा सबको यूनिक आईडी कार्ड दिया गया।

अशोक मेहता ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए सुझाव दिए। ट्रस्टी रिखब चंद बोहरा, चेतन पटवा, महेंद्र संचेती का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट चेयरमैन विमल सांखला, कोषाध्यक्ष केदारमल राठी, सदस्य विमल कांठेड़, मनोज, पवन खींवसरा, दिलीप बोहरा, महेंद्र कुंकुलोल, सुनील सुराणा, कमल खबिया आदि सदस्य मौजूद थे।

गौतम चंद बरोला, शांतिलाल सिंघवी का विशेष सहयोग रहा। संस्था के फाउंडर मंत्री डॉ. ललिता छोरलिया के जन्मदिन पर बधाइयां दी गईं।

सुभाष छोरलिया ने मेहमानों को रिटर्न गिफ्ट दिया। संस्था सलाहकार सज्जन राज मेहता ने सबको धन्यवाद दिया। मंच का संचालन आनंद ने किया।

रूस को अवैध रूप से विमानन सामग्री आपूर्ति करने के आरोप में अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका में एक भारतीय नागरिक को रूस की कंपनियों के लिए विमानन सामग्री हासिल के आरोप में निर्यात नियंत्रण कानून के उल्लंघन के तहत गिरफ्तार किया गया है।

न्याय विभाग ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नई दिल्ली स्थित एयर चार्टर सेवा प्रदाता 'अरेजो एविएशन' के प्रबंध भागीदार संजय कौशिक को 17 अक्टूबर को मियामी में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह आधिकारिक यात्रा पर भारत से आए थे।

कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, 'अरेजो एविएशन' दिल्ली कैंट के मेहरम नगर में स्थित है और यह एक विमानन सेवा कंपनी है जो चार्टर विमान, हवाई एम्बुलेंस के क्षेत्र में काम करती है, साथ ही वाणिज्यिक, सामान्य और कॉर्पोरेट विमानों के कलपुर्जे और पायलट मुहैया कराती है।

फिलहाल ओरेगॉन जेल में बंद कौशिक ने अपनी रिहाई के लिए अपील नहीं की है।

अमेरिकी मजिस्ट्रेट न्यायाधीश स्टेसी एफ बेकरमैन ने कौशिक के फरार होने की आशंका को देखते हुए शुक्रवार को उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

अगर वह दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें अधिकतम 20 वर्ष के कारावास की सजा हो सकती है और आरोपों के लिए प्रति मामले में 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

संघीय अभियोजकों ने अदालत में कहा, ''कौशिक अवैध खरीद करने वाले एक गिरोह का सदस्य है जो रूस की कंपनियों के लिए अमेरिका से अवैध रूप से विमानन सामान और प्रौद्योगिकी प्राप्त करता है।''

संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। तिरुपुर के गणेश मंदिर, रायपुरम में संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ। अध्यक्ष शीला शाह ने बताया कि सुबह 10.30 बजे गणेश वंदना एवं बाबा की ज्योति के साथ पाठ प्रारंभ हुआ। इसमें मंडल पदाधिकारी सरोज पित्ती, सुनीता शर्मा, वीरा कामदार, भगवती दाधीच, सुमन गुप्ता और काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। दोपहर 2.30 बजे महाआरती के बाद गोपाल शाह, कार्तिक शर्मा ने सभी भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया। शीला शाह ने बताया कि 'बालाजी के दीवाने मंडल' की ओर से हर महीने एक दिन सामूहिक सुंदरकांड पाठ किया जाता है।

'कर्तव्य प्रधान जीवन वाले ही धर्मात्मा बनकर नाम रोशन करते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में शिवाजी नगर के गणेश बाग में विराजित विनय मुनि खींचन ने शनिवार को प्रवचन में कहा कि जितने भी भव्य भवन-महल बनते है, उनकी नींव उतनी ही गहरी और मजबूत होती है। अगर परिवार की नींव मजबूत है तो कुटुंब छिन्न-भिन्न नहीं हो सकता है। धर्मगुरु सदैव एक उपदेश देते हैं कि धर्म करो, ध्यान करो। यदि घर-परिवार में धर्म आ जाता है तो समस्याएं उठती ही नहीं हैं। वर्तमान जीवन शैली में व्यक्ति अपने कर्तव्यों को पूरी तरह नहीं निभा पा रहा है।

उन्होंने कहा कि कर्तव्यपथ पर भाषा का बड़ा योगदान है। भाषा कितनी-कब-कैसी बोलें, यह सीखे बिना सब उल्टा हो जाता है। कर्तव्यों में प्रथम कर्तव्य पूज्यों के प्रति श्रद्धा, सेवा, समर्पण के भाव रखना जरूरी है। धर्म की बात करने, लेकिन कर्तव्य से दूर रहने से ही परिवार में परस्पर तालमेल नहीं बैठ रहा है। कर्तव्य प्रधान जीवन वाले ही धर्मात्मा बनकर देश, समाज, शिवाजी नगर से विजयाबाई सांखला, मेट्टूपलायम से मीठालाल दुग्गड़, शषाद्रीपुरम से किशनलाल नाहटा, मुनीरेड्डी पाल्लियम से नवरतनमल जांगड़ा, डबल रोड से प्रकाश चंद डूंगरवाल, चेन्नई से राजेश कोठारी, हीरा बाग से मधु समदड़िया, चेन्नई से सुशीला मेहता, ब्यावर से अनीता श्रीश्रीमाल, कविता बेताल तथा बेंगलूरु से अनेक श्रद्धालु मौजूद थे। संघ महामंत्री संपत राज मांडोत ने सभी का स्वागत करते हुए आभार जताया।

उन्होंने घोषणा की कि 25 नवंबर को भगवान महावीर का दीक्षा कल्याणक तप, त्याग, धर्म ध्यान से दो-दो सामायिक से मनाया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से भाग लेने की अपील की।

'करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है'

करुणा इंटरनेशनल द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। करुणा इंटरनेशनल, चेन्नई केंद्र द्वारा शनिवार को सुबह 10 बजे से शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम पुन्नमल्ली के नजरतपेट स्थित जय-जय शंकरा इंटरनेशनल विद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा करुणा रैली निकाली गई, जिसमें 'प्रदूषण मुक्ति, पानी बचाओ, प्राणी रक्षा, पक्षी सुरक्षा' आदि नारों के साथ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य अतिथि करुणा इंटरनेशनल, चेन्नई केंद्र के अध्यक्ष सज्जन जैन, विशेष अतिथि सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने गायों को हरी घास खिलाई। अतिथि द्वारा विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। सज्जन जैन, विशेष अतिथि सचिव ज्ञानचंद कोठारी, प्रमुख वक्ता इंदुमती उमेश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। करुणा प्रार्थना के बाद प्रधानाचार्य मनमल्ली द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। सज्जन जैन ने उद्घाटन भाषण में कहा कि सच्ची करुणा इस मान्यता से उत्पन्न होती है कि सभी जीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम करुणा का अभ्यास कर दुख को कम कर सकते हैं। हम दया दिखाते हैं तो सद्भावना में निहित दुनिया का पोषण करते हैं। करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है, जो शांति और समझ को बढ़ावा देती है।

ज्ञानचंद कोठारी ने कहा कि करुणा और जीवदया मानवता का सार हैं। यह निस्वार्थ प्रेम और सहानुभूति है, जो हम सभी प्रजाति, जाति या धर्म की बाधाओं को पार करते हुए जीवित प्राणियों के प्रति दिखाते हैं।

विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र में इंदुमती उमेश द्वारा 'करुणा मूल्यों का उपयोग करके स्वयं का परिवर्तन' तथा द्वितीय सत्र में प्रमुख वक्ता पट्टाभिराम ने 'शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना' पर उद्बोधन दिया। सभी शिक्षकों को करुणा प्रतिज्ञा करवाई गई। विद्यालय की करुणा क्लब प्रभारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

जैन रत्न युवक परिषद के कार्याध्यक्ष का अभिनंदन किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय श्रीजैन रत्न युवक परिषद के कार्याध्यक्ष गजेंद्र चोपड़ा का स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में अभिनंदन किया गया। परिषद के तमिलनाडु अध्यक्ष संदीप ओस्तवाल ने उनका परिचय देते हुए स्वागत किया। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेंद्र कांकरिया ने उनकी गुरुभक्ति, संघ समर्पण, निष्ठा एवं देव, धर्मगुरु के लिए रचनाओं का उल्लेख करते हुए अभिनंदन किया और सभी नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ने श्रावक संघ, युवक परिषद तमिलनाडु की सामाजिक, धार्मिक कार्यक्रमों और गतिविधियों पर पूर्ण संतोष व्यक्त करते हुए संघ सेवाओं के संग व्यसन मुक्त जीवन पर प्रयास करने की भावनाएं रखने पर जोर दिया। अभिनंदन सभा में युवक परिषद क्षेत्रीय प्रधान रितेश कांकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौरभ बागमार, राष्ट्रीय सहसचिव निखिल बागमार, उपाध्यक्ष अभय सुराणा, संजय चोरड़िया, विनोद जैन, नवीन क्षेत्रीय प्रधान पीयूष ओस्तवाल, सुनील ओस्तवाल आदि मौजूद थे। युवक परिषद के मंत्री महावीर कर्णावट ने अभिनंदन सभा का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीलंका की नई सरकार को राहत पैकेज की चौथी किस्त के लिए आईएमएफ की मंजूरी मिली

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका की नई एनपीपी सरकार को आईएमएफ से लगभग तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज की चौथी किस्त मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने शनिवार को राहत पैकेज की चौथी किस्त के लिए कर्मचारी स्तर के समझौते को मंजूरी दी।

तीसरी समीक्षा के अंत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निकाय ने एक बयान जारी कर कहा, ''आईएमएफ प्रबंधन के समीक्षा को मंजूरी देने और आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड के उसे पूरा करने के बाद श्रीलंका को लगभग 33.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिल जाएंगे।'' पिछली रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने 2023 में श्रीलंका के आर्थिक संकट से घिरने पर मार्च 2023 में आईएमएफ के साथ राहत पैकेज के लिए समझौता किया था। इसके बाद हुए राष्ट्रपति चुनावों में विक्रमसिंघे हार गए थे। मौजूदा राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके राहत पैकेज की आलोचना कर रहे थे, हालांकि सत्ता में आने के बाद उन्होंने इसे जारी रखने का भरोसा दिया।

'सूर्योदय तो रोज़ होता है, अब व्रतोदय का सूर्य उदय करना है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य श्रीमहाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्रीउदितयशाजी आदि ठाणा 4 शनिवार को राजाजीनगर पधारे। सभा उपाध्यक्ष मदनलालजी बोराणा ने साध्वीश्री के लिए कृतज्ञता ज्ञापित कर समस्त श्रावक-श्राविका समाज का स्वागत किया। उन्होंने साध्वीश्री के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान सेवा-दर्शन का लाभ लेने का निवेदन किया। मंच संचालन सभा मंत्री चंद्रेश मांडोत ने किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित एवं तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित 'सम्मान व्रत चेतना का' एवं बारहव्रत दीक्षा कार्यशाला का आगाज साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने आचार्य तुलसी द्वारा लिखित 'श्रावक व्रत धारो' गीतिका की प्रस्तुति से हुआ।

साध्वी उदितयशाजी ने कहा कि श्रावक के जीवन में सूर्योदय तो रोज़ होता है, लेकिन अब हमको व्रतोदय का सूर्य उदय करना है। व्रत धारण करना अपनी आत्मा की सुरक्षा का आवरण बनाना होता है। श्रावक व्रत की आराधना करने से हम अपना स्थान वैमानिक देव लोक में जमा सकते हैं।

शंकरण्ण मुनवट्टी का सम्मान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के 'सहयोग रत्न पुरस्कार' से सम्मानित केएलई समूह संस्थाओं के निदेशक शंकरण्ण मुनवट्टी का राष्ट्रोत्थान रक्त केंद्र द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर दत्तमूर्ति कुलकर्णी, समाजसेवी विनोद कुमार पटवा, श्रीधर जोशी, राष्ट्रोत्थान रक्तकेंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसएस संगोली, मुख्य तकनीशियन नवीन चिक्कमठ, शिविर आयोजक सिद्दू अंगड़ी और विनायक देशपांडे मौजूद थे।

'संयम ही जीवन का सार, यही आंतरिक सुख का मार्ग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/दक्षिण भारत। खरतरगच्छीय मोहनलालजी म.सा. समुदाय से विनयकुशल गणिजी, विराग मुनिजी म.सा. आदि ठाणा की निश्रा में तीन दीक्षार्थियों का भव्य दीक्षा महोत्सव रायपुर में हुआ। इस अवसर पर बेंगलूरु से अनेक श्रद्धालु रायपुर उपस्थित थे। संघ के ललित डाकलिया ने कहा कि जैन एकता की मिसाल इस ऐतिहासिक दीक्षा महोत्सव में उपाध्याय प्रवर महेन्द्रसागरजी म.सा., उपाध्याय युवा मनीषी मनीषसागरजी आदि समस्त ठाणा, तपागच्छ के भुवनभानूश्री समुदाय के मुनि भगवंत एवं साध्वीजी, स्थानकवासी संप्रदाय व तेरापंथ समुदाय के गुरुभगवंत तथा साध्वीजी भगवंत, साध्वी समुदाय में भी गणाधीश्वर विनयकुशल गणिजी म.सा. के समुदाय की साध्वीजी विरतियशाश्री आदि ठाणा, मनोहरश्रीजी म.सा. की सुशिष्याएं सभी दीक्षा विधि के दौरान सुधर्मा स्वामी के पाट पर एकसाथ विराजमान थे।

ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में और राजेश बुरड़ परिवार द्वारा प्रायोजित इस दीक्षा समारोह में करीब दस हजार से ज्यादा श्रद्धालु पूरे देश से जुड़े थे। कार्यक्रम में तीनों दीक्षार्थियों का तिलक, माला और स्मृति चिह्न से अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ललित डाकलिया के साथ रायपुर शाखा के अध्यक्ष मेघराज कांकरिया, मंत्री सचिन पारख ने अभिनंदन किया और उनके उज्वल जीवन की कामनाएं की।

केन्द्रीय समिति की ओर से राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेश भंसाली, अध्यक्ष सुरेश लूनिया, उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीमाल, महामंत्री रमेश लुंकड़ ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वरजी महाराज ने पिछले साल विराग मुनिजी को 171 उपवास की सुदीर्घ उग्र तपस्या करने पर 'तप चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की थी। उन्हें आगामी 7 फरवरी को 'गणिपद' से विभूषित किया जाएगा।

नूतन दीक्षितों को गोचरी वापरने के लिए पात्रा बोहराने का लाभ पिता गौतमचंद, उत्तमचंद, गुमानमल, दीपक कुमार एवं समस्त डाकलिया परिवार की ओर से लिया गया। इसमें राकेश डाकलिया भी मौजूद थे। इस अवसर पर विनय कुशल मुनिजी ने कहा कि हम परमात्मा महावीर के शासन में जीने वालों को ऐसे समय को निहारना चाहिए, तभी शुभ भाव बनते हैं। संयम ही जीवन का सार है, यही आंतरिक सुख का मार्ग है। इस महोत्सव मे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और कई नेता समय निकालकर गुरुभगवंतों के दर्शन-वंदन और आशीर्वाद लेने के लिए पधारे और उन्होंने मुमुक्षुओं को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्वल जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विनय कुशलमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का 2025 का चातुर्मास राजनांदगांव (छ.ग.) में घोषित किया गया।

रायपुर दादावाडी में दीक्षा महोत्सव में मुमुक्षु अरिहंत बुरड़ का नूतन नाम श्री सुहस्तिभद्र मुनि महाराज, मुमुक्षु नीलेश मेहता का नूतन नाम श्री सोमभद्र मुनि महाराज और मुमुक्षु निकिता कटारिया का नूतन नाम साध्वी श्री अरिष्टलब्धि श्रीजी म.सा. घोषित किया गया। इस अवसर पर बुरड़ परिवार की ओर से आयोजित उपधान तप की मोक्षमाला आराधकों को गुरुदेव की ओर से पहनाई गई।

उपचुनाव परिणामों से कांग्रेस की सियासत में बदलाव के संकेत, सचिन पायलट का बढ़ सकता है कद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा उपचुनाव के आए परिणामों से राजस्थान कांग्रेस की सियासत में बदलाव के संकेत नजर आने लगे हैं। आगामी दिनों में कांग्रेस में बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा में सचिन पायलट का कद बढ़ेगा और डोटासरा के कद में गिरावट नजर आ सकती है। दौसा सीट जीतकर कांग्रेस में सचिन पायलट की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लेकिन देवली उनियारा सीट पर बागी नरेश मीणा के चलते पायलट के प्रभाव क्षेत्र में भाजपा की सेंधमारी भी रही है। पीसीसी चीफ गोविन्द डोटासरा के कद पर भी इन परिणामों का असर नजर आएगा। झुंझुनूं सीट शेखावाटी क्षेत्र की सीटों में कांग्रेस की अजेय सीट मानी जाती है,

लेकिन यह सीट भाजपा के ले जाने से डोटासरा की साख पर असर आएगा। आरएलपी और बीएपी से गठबंधन नहीं करने में डोटासरा की अहम जिम्मेदारी रही। ऐसे में बिना गठबंधन के चुनाव लड़ने की कांग्रेस की रणनीति फेल साबित हुई। बीएपी ने चौरासी और भाजपा ने सलूम्बर में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, तो खींवसर में भाजपा ने जीत दर्ज कर कांग्रेस और आरएलपी दोनों को पीछे छोड़ दिया। रामगढ़ सीट पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह की प्रतिष्ठा भी जुड़ी हुई थी। रामगढ सीट पर भाजपा को कांग्रेस एकतरफा टक्कर नहीं दे पाई। इन चुनाव परिणामों की समीक्षा के बाद कांग्रेस राजस्थान में कई बड़े बदलाव कर सकती है। परिणामों की समीक्षा के बाद यंहा प्रदेशाध्यक्ष बदलने की कवायद भी की जा सकती है। साथ ही पायलट, डोटासरा, जूली जैसे नेताओं के कद भी नए सिरे से तय होंगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.